RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:306 ता. 28 मई 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

जब तक मोदी और भाजपा हैं, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे-नड्डा

वाराणसी । भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को कहा कि जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा हैं, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होने दिया जाएगा। वाराणसी लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी और प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचे नड्डा ने काल भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष पर धर्म के आधार पर आरक्षण देने का मंसूबा रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान में स्पष्ट लिखा हुआ है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा और जब तक मोदी जी हैं और भारतीय जनता पार्टी है, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। हम अपने दलित, आदिवासी, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के आरक्षण पर किसी को डाका नहीं डालने देंगे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी 400 से ज्यादा सीटों के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। नड्डा आज दिन में वाराणसी में कई बैठकों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार मैदान में हैं। इस सीट के लिए सातवें और आखिरी चरण में आगामी एक जून को मतदान होगा।

नासिक में आयकर विभाग की छापेमारी में मिली रकम को गिनने में लगे 14 घंटे

नासिक । महाराष्ट्र के नासिक में आयकर विभाग ने सर्राफा व्यापारियों की दुकानों और डेवलपर्स के ऑफिस पर छापेमारी की। लगातार 30 घंटे चली छापेमारी में टीम ने 26 करोड़ रुपये की नकदी और 90 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति के दस्तावेज जब्त किए। जानकारी के मुताबिक, नासिक, नागपुर, जलगांव की टीम ने यह कार्रवाई की।50 से 55 अधिकारियों ने सुराना जूलर्स के परिसर के साथ-साथ उनके रियल एस्टेट व्यवसाय के कार्यालय पर भी छापा मारा। आलीशान बंगले पर भी एक टीम ने निरीक्षण किया। शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यालय, निजी लॉकर और बैंकों के लॉकर की भी जांच की गई। नासिक के सर्राफा कारोबारी के पास से करोड़ों की नकदी और बेहिसाब संपत्ति मिलने से कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। 500 रुपये की गड्डियों में मिली यह रकम गुटखा पैक करने वाले कपड़े के बैगों में भरे थे। आयकर विभाग की कार्रवाई में जो नगदी मिली है, नगदी को गिनने में 14 घंटे लगे। यह छापेमारी अघोषित आय और संभावित रूप से संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की व्यापक जांच का हिस्सा है। आयकर विभाग किसी भी विसंगति या छिपे हुए लेन-देन को उजागर करने के लिए सुराना जूलर्स और महालक्ष्मी बिल्डर्स दोनों के रिकॉर्ड की जांच कर रहा है।

सेना ने बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया

जम्मू । जम्मू के पलांवाला इलाके में सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक अग्रिम गांव में एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। उसके पास से कुछ बांग्लादेशी मुद्रा व कागज मिले हैं। शुरुआती जांच में वह विक्षिप्त बताया जा रहा है। सेना अधिकारियों ने बताया, गश्ती दल ने खौड़ इलाके के लोअर कोट मैरा में एलओसी के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को घूमते हुए देखा, तुरंत शख्स को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। उस व्यक्ति ने अपना नाम तुफज्जल बब्लू उम्र (35) निवासी अलुपोट्टी नटोर, बांग्लादेश बताया है। शख्स को आगे की जांच के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति के कब्जे से बांग्लादेशी 10 रुपये का पुराना नोट, एक रूपये का बांग्लादेशी सिक्का, 3 सिम (अज्ञात कंपनी), पुराना बांग्लादेशी बिल, बांग्लादेश का पुराना छात्र कार्ड और एक पुरानी डायरी मिली है। खौड़ पुलिस का कहना है कि युवक की मानसिक हालत ठीक नहीं है। सोमवार को युवक की मेडिकल जांच करवाई जाएगी। फिलहाल युवक पलांवाला पुलिस की हिरासत में है।

कोर्ट में नहीं पेश हुए राहुल गांधी, अब सात जून को होगी सुनवाई

सुल्तानपुर । कर्नाटक चुनाव के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दौरान बीजेपी के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी सोमवार को विशेष कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने राहुल गांधी के चुनाव में व्यस्तता का हवाला देते हुए हाजिरी माफी का प्रार्थनापत्र एमपी-एमएलए कोर्ट की विशेष अदालत में दिया। कोर्ट ने उक्त मामले में सात जून की तारीख नियत की है। वहीं परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने विरोध दर्ज कराते हुए अदालत में बयान न दर्ज करने के लिए राहुल गांधी पर कोर्ट से वारंट जारी करने की मांग की। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने राहुल गांधी के बयान दर्ज करने के लिए अंतिम अवसर देते हुए सात जून की तारीख नियत की है। विदित हो कि कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीजेपी नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को मानहानि का वाद दायर किया गया था। मामले में राहुल गांधी की जमानत कोर्ट से हो चुकी है जिसमें सोमवार को उनका बयान विशेष कोर्ट में दर्ज किए जाने के लिए तारीख नियत थी।

चक्रवाती तूफान रेलम ने मचाई तबाही

कई जगह हवा में उड़े पेड़,बिजली के खंडे टूटे एक की मौत

नई दिल्ली।

रविवार रात चक्रवाती तूफान रेलम ने अपना रौद्र रुप दिखा दिया है। कई जगह तेज हवा में पेड़ उखड़ गए तो कहीं कहीं बिजली खंबे या तो टेड़े हो गया फिर उखड़ गए। जबकि तेज हवा के चलते एक व्यक्ति की मौत की भी खबर आ रही है। रेमल की रविवार रात को बंगाल के तटों पर लैंडफॉल हुई। जब यह बंगाल के तट पहुंचा, तब इस दौरान हवा की रफ्तार 135 किमी प्रति घंटे थी। साइक्लोन रेमल की वजह से बंगाल के कई जिलों में बारिश हो रही है। जगह-जगह पेड़ उखड़े हैं. कई घर इससे तबाह हो चुके हैं। वहीं, आंधी-पानी में कोलकाता में दीवार गिरने से एक की मौत हो गई है। आईएमडी की मानें तो बंगाल से बांग्लादेश तक तबाही मचाने वाला रेमल अब कमजोर होने वाला है। चक्रवाती तूफान 'रेमल' कैनिंग (पश्चिम बंगाल) से लगभग 80 किमी दक्षिण की ओर है। यह बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों को पार कर रहा है। उत्तर की ओर बढ़ रहा है और धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में लैंडफॉल की प्रक्रिया जारी है और अगले 2 घंटों तक जारी रहेगी। बंगाल के तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान 'रेमल' के पहुंचने के एक दिन बाद सोमवार को तटीय इलाकों को हुई क्षति को साफ तौर पर देखा जा सकता है। झोपड़ियों की छत हवा में उड़ गयीं, पेड़ उखड़ गये और बिजली के खंभे गिर गये, जिस कारण कोलकाता सहित राज्य के कई हिस्सों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई।साइक्लोन रेमल का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। बिहार के आधे दर्जन जिलों में बारिश की संभावना है। रेमल की वजह से कोलकाता से पटना की कई फ्लाइट रद्द हो गई हैं। देवघर से पटना की भी फ्लाइट रद्द कर दी गई है। चक्रवाती तूफान रेमल के चलते पुराने भवन की बाउंडरी वॉल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। वहीं, कोलकाता शहर के कई हिस्सों में भी लगातार बारिश जारी है। इस दौरान तेज हवाएं बह रही हैं। कई पेड़ उखड़ गए हैं।

135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ चक्रवाती तूफान 'रेमल' बांग्लादेश और उससे सटे पश्चिम बंगाल के तटों के बीच पहुंचा। इसकी वजह से भारी बारिश हुई। इसकी वजह से चारों ओर घरों और खेतों में पानी भर गया। और जाते-जाते चक्रवाती तूफान रेमल विनाश का निशान छोड़ गया। रविवार रात 8-30 बजे पड़ोसी देश में मोंगला के दक्षिण-पश्चिम के पास सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निकटवर्ती तटों पर

लैंडफॉल की प्रक्रिया शुरू हुई चक्रवाती तूफान 'रेमल' ने कई घरों को तबाह कर दिया। इसने जगह-जगह पेड़ों को उखाड़ दिया और बिजली के खंभों को गिरा दिया। सुंदरवन के गोसाबा इलाके में मलबे की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। चक्रवात आने से पहले पश्चिम बंगाल में संवेदनशील इलाकों से एक लाख से अधिक लोगों को निकाला गया था।

अकाली दल के साथ हमारा अलगाव सोची समझी रणनीति: पीएम मोदी

-2022 में लोग कन्फ्यूज थे इसलिए आप को सत्ता सौंप दी

नई दिल्ली।

पंजाब में अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अकाली दल के साथ हमारा अलगाव सोची समझी रणनीति है और इसके रणनीतिक मायने हैं। उन्होंने कहा कि कुछ चीजें ऐसी हुई हैं, जिनके चलते परंपरागत अकाली वोटर भी उनसे नाराज है। प्रकाश सिंह बादल विधानसभा का चुनाव हार गए थे। इससे भी अकाली दल के समर्थकों को करारा झटका लगा था। उन्होंने कहा कि प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद जो शून्य अकाली दल की राजनीति में पैदा हुआ है, उसे भरना मुश्किल होगा। अकाली दल अब टूटने लगा है।

पीएम मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा कि अकाली दल के कई अनुभवी नेता छोड़कर चले गए। फिर वे लगातार चुनाव हार रहे हैं। पंजाब में बीजेपी कमजोर है को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा नहीं है। हमारे बीते दो लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव अच्छे रहे हैं। हम पिछली बार तीन लोकसभा में उतरे थे और दो पर जीते थे। हम तो यहां की सत्ता में भी हिस्सेदार थे। पीएम मोदी ने अलगाव का ठीकरा अकाली दल की कमजोरी पर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अकाली दल से लोग नाराज थे। इसका स्तर यहां तक था कि लोग 2022 में बुरी तरह से भ्रमित थे और पंजाब की जनता ने आम आदमी पार्टी को वोट देकर यहां की सत्ता सौंप दी। ऐसी स्थिति में हमारे लिए जरूरी था कि हम मेहनत करें। हमारी पार्टी के लिए यह संभव नहीं है कि राज्य में लोगों की इस हद तक नाराजगी हो और हम चुप बैठे रहें।

पीएम ने कहा कि ये लोग दिल्ली में एकता की बातें करते हैं। पंजाब में कांग्रेस के नेताओं को आम आदमी पार्टी सरकार जेल में डालती है। वहीं दिल्ली के शराब घोटाले में कांग्रेसी इन लोगों को जिम्मेदार ठहराते हैं। यह कैसी एकता है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब की सत्ता उन लोगों के हाथों में है, जिनकी सोच अर्बन नक्सल वाली है। इन लोगों को बेदखल करना जरूरी है। इस बार कन्फ्यूज मत होना।

1 जून को इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की दिल्ली में बैठक

2 को केजरीवाल का आत्मसमर्पण

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम और सातवें चरण के बीच सोमवार को विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेता आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए, 1 जून को दिल्ली में एक बैठक करने वाले है। नेता उन सीटों पर गठबंधन के प्रदर्शन का भी आकलन करने वाले हैं, जहां पर उन्होंने मिलकर चुनाव लड़ा था। सूत्रों ने कहा, एक जून को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति और चुनाव का आकलन किया जाएगा। बेहद कड़े मुकाबले वाले आम चुनाव में आखिरी वोट 1 जून को डाला जाएगा और नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। विशेष रूप से, अंतरिम जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 2 जून को आत्मसमर्पण करना है। हालांकि, उन्होंने अपनी अंतरिम जमानत को सात दिनों के लिए बढ़ाने की मांग कर याचिका दायर की है। केजरीवाल ने चिकित्सा आधार पर विस्तार की मांग की है। अपनी याचिका में केजरीवाल ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद से उनका वजन 7 किलो कम हो गया है। उन्होंने कहा कि उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है जो गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। उन्होंने अपने कुछ मेडिकल टेस्ट कराने के लिए कोर्ट से अपनी जमानत की अवधि 7 दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है।

जून-जुलाई माह मे जी-20 की बैठक, बढ़ते कर्ज का निकलेगा कोई समाधान?

नई दिल्ली ।

जी 20 शिखर सम्मेलन का आयोजन ब्राजील में होने जा रहा है। इस सम्मेलन में दुनिया के सभी देशों पर बढ़ते कर्ज की समस्या का कोई निदान निकलेगा। इसको लेकर वैश्विक स्तर पर प्रयास शुरू हो गए हैं। जून और जुलाई 2024 में जी 20 देशों की बैठक ब्राजील में होने जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जी 20 की 12 जून 2024 को वित्त व्यवस्था पर गठित विशेष समिति मैं चर्चा होगी। 22 और 23 जुलाई को जी-20 के केंद्रीय बैंकों के डिप्टी गवर्नर, बढ़ते कर्ज की समस्या पर विचार विमर्श करेंगे। 25 जुलाई को सभी देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर मिलकर कर्ज की समस्या को लेकर आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है, दुनिया के सभी देशों पर 235000 अरब डॉलर का कर्ज है। जो सभी देशों की जीडीपी का लगभग 238 फ़ीसदी होता है। कई देश कर्ज चुकाने में डिफाल्टर हो चुके हैं। आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी विकराल होने जा रही है। पिछले 10 वर्षों में सरकारों द्वारा जो बजट तैयार किया जा रहा है। उसमें कर्ज और ब्याज की अदाएगी के रूप में 5 गुना से ज्यादा राशि गरीब एवं विकासशील देशों को खर्च करनी पड़ रही है। दुनिया के सभी देश इन दिनों महंगाई और बेरोजगारी की मार से परेशान है। जनता महंगाई और आर्थिक कारणों से सड़कों पर आने लगी है। जिसके कारण वैश्विक व्यापार संधि के अंतर्गत जितने भी देश हैं। वह सभी इस समस्या का समाधान निकालने की गुहार लगा रहे हैं। त20 की बैठक में क्या निर्णय होता है, इस पर सभी की निगाहें हैं।

सोनिया गांधी, खड़गे और राहुल गांधी ने नेहरू को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी , पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 60वीं पुण्यतिथि पर नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती गांधी और श्री खड़गे ने सोमवार सुबह पंडित नेहरू के समाधि स्थल शांति वन जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा अपने कुशल नेतृत्व और सशक्त निर्णय से आधुनिक भारत की नींव रखने वाले पंडित नेहरू को शत्त-शत्त नमन। श्री खड़गे के कहा आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक तथा विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले, लोकतंत्र के समर्पित प्रहरी, स्वतंत्र भारत के प्रथम पीएम एवं हमारे प्रेरणास्त्रोत, पंडित नेहरू के अतुलनीय योगदान के बिना भारत का इतिहास अधूरा है। हिन्द के जवाहर को पुण्यतिथि पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि।देश उन्नत, प्रगति और एकता के लिए नेहरू को उदधृत कर उन्होंने कहा पंडित नेहरू जी ने कहा था, देश की रक्षा, देश की उन्नति, देश की एकता ये हम सबका राष्ट्रीय धर्म है। ये हम अलग अलग धर्म पर चलें, अलग-अलग प्रदेश में रहें, अलग भाषा बोलें, पर उससे कोई दीवार हमारे बीच खड़ी नहीं होनी चाहिए। सब लोगों को उन्नति में बराबर का मौका मिलना चाहिए। हम नहीं चाहते कि हमारे देश में कुछ लोग बहुत बड़े अमीर हों और अधिकतर लोग गरीब हों। श्री गांधी ने कहा आधुनिक भारत के शिल्पकार, प्रथम पीएम पंडित नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन-स्वतंत्रता आंदोलन, लोकतंत्र स्थापन, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की नींव रखते हुए भारत निर्माण के लिए समर्पित किया।

जी-7 के व्यापार प्रमुखों ने दिखाई एकजुटता, चीन नीतियों की आलोचना की

-ट्रेड पार्टनर्स की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली।

वैश्विक प्रणाली में भागीदारी को लेकर जी-7 के देशों के शीर्ष व्यापार प्रमुखों ने एकजुटता दिखाई है और साथ ही चीन की नीतियों की आलोचना भी की है। जी-7 ने चीन की गैर-बाजार नीतियों से अर्थव्यवस्थाओं पर असर को लेकर चिंता व्यक्त की है और उसके खिलाफ जवाबी कदम उठाने की चेतावनी दी है। विश्व के प्रमुख सात देश के मंत्री और केंद्रीय बैंकर पिछले दिनों इटली में एक बैठक में शामिल हुए। इस बैठक के अंत में एक विज्ञप्ति भी जारी की गई, जिसमें चीन पर अपने ट्रेड पार्टनर्स की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और चीन की निंदा की। इन सभी देशों ने कहा कि संतुलित और पारस्परिक सहयोग में अपनी रुचि की पुष्टि करते हुए चीन की गैर-बाजार नीतियों के व्यापक इस्तेमाल के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं, जो हमारे श्रमिकों, उद्योगों और आर्थिक लचीलेपन को कमजोर करते हैं। हम संभावित नकारात्मक प्रभावों की निगरानी करना जारी रखेंगे और समान अवसर के लिए कदम उठाने पर विचार करेंगे। यह चेतावनी पिछले हफ्ते अमेरिका के चीनी आयात पर भारी प्रवेश शुल्क लगाने के बाद जारी की है। अमेरिका की बाइडेन सरकार ने बीते दिनों चीन से आने वाले इलेक्ट्रिक कार, बैटरी, स्टील, सोलर पैनल और कंप्यूटर चिप्स जैसी चीजों पर प्रवेश शुल्क बढ़ा दिया था। चीन पर दबाव बनाने में कोशिश कर रहा है अमेरिका। इससे पहले बीते दिनों, ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन ने कहा था कि जर्मनी,

फ्रांस और यूरोपीय संघ के जी-7 के पास भी चीन को लेकर कई शिकायतें आई हैं। फ़्रांसीसी वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर भी इस बैठक में शामिल थे। बता दें जी-7 विश्व की सात बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। इसमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।

मुस्लिम आरक्षण का विरोध और यूसीसी की बात करना धर्म आधारित प्रचार है तो हम करते रहेंगे: शाह

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुस्लिम आरक्षण को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने पूरी दमदारी से कहा है कि यदि मुस्लिम आरक्षण का विरोध और यूसीसी की बात करना धर्म आधारित प्रचार है तो हम ये प्रचार करते रहेंगे। शाह ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि उनकी पार्टी ने किसी भी प्रकार का धर्म आधारित कोई प्रचार अभियान नहीं चलाया है। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुसलमानों के आरक्षण के खिलाफ प्रचार करना और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए मतदाताओं तक पहुंचना अगर धर्म आधारित चुनाव अभियान है तो बीजेपी ने यह किया है और आगे भी करती रहेगी। इस दौरान अमित शाह ने दो टूक कहा कि अगले टर्न यानी पांच साल के अंदर देशभर में यूसीसी लागू होगा। एक देश-एक चुनाव को लेकर भी ऐसा ही दावा किया।

शाह ने कहा कि आर्टिकल 370 को समाप्त करना, देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करना, महिला आरक्षण या राम मंदिर निर्माण हमारी विचारधारा है। पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है और इसका हमने संकल्प लिया है तो पीएम मोदी ने बीजेपी की विचारधारा को जमीन पर उतारा है। प्रधानमंत्री की लोकप्रियता स्वाभाविक रूप से बीजेपी मजबूत बनती है। पीएम मोदी हमारे सबसे बड़े नेता हैं और यह कोई नकारात्मक वोट नहीं है। यह बात मानकर चलिए यह सकारात्मक वोट है। जहां हम सरकार में है वहां भी हमें जनादेश मिलने वाला है और जहां नहीं है वहां बड़ा जनादेश मिलने जा रहा है। ये एक प्रकार से केंद्र सरकार के कामों का सकारात्मक जनादेश है।शाह ने कहा कि अभी इनकी दो या तीन राज्यों में सरकारें हैं। वहां तो दे दें, जो कहा है। एक लाख की क्या बात करते हो, 1,500 रुपये चालू करो ना... कौन भरोसा करेगा भई। लोकसभा चुनाव में किन राज्यों में बीजेपी खासी बढ़त की उम्मीद कर रही है, इस संबंध में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में उसे 24 से 30 सीटें और ओडिशा में 16 से 17 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी और उसका गठबंधन आंध्र प्रदेश में करीब 17 सीटें जीतेगा। तीनों राज्यों में लोकसभा की क्रमशः 42, 21 और 25 सीट हैं। शाह ने दावा किया कि ओडिशा विधानसभा में भाजपा को बहुमत मिलना तय है और उम्मीद है कि उसे 147 सदस्यीय विधानसभा में 75 सीटें मिलेंगी।

टेस्ट कराने सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी सात दिन की मौहलत

-चुनाव प्रचार के लिए कोर्ट ने दी है 1 जून तक राहत, 2 को जाना होगा जेल

नई दिल्ली।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके अपनी अंतरिम जमानत को सात दिन बढ़ाने का आग्रह किया है। केजरीवाल ने कोर्ट से कहा है कि उन्हें पेट-सीटी स्कैन समेत कुछ टेस्ट करवाने हैं। बता दे शराब घोटाले मामले जेल में बंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिनों की अंतरिम राहत दी थी और 2 जून को दोबारा जेल जाने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल का वजन सात किलो घट गया है। इसके अलावा उनका कीटोन लेवल बहुत ऊंचा है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने केजरीवाल की जांच की है और जो बातें सामने आईं हैं वह गंभीर बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। शंका दूर करने के लिए डॉक्टरों ने उन्हें पेट-सीटी स्कैन और कई टेस्ट करवाने की सलाह दी है। यही वजह है कि सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से सात दिन की मोहलत मांगी है।

दिल्ली सरकार की मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत को सात दिन बढ़ाने के लिए याचिका दायर की है। गिरफ्तारी के दौरान केजरीवाल का वजन कम क्यों हुआ यह डॉक्टरों को पता नहीं चला है। किटोन लेवल बहुत बढ़ा हुआ है। वजन घटना और किटोन लेवल इतना हाई होना, बहुत गंभीर बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। यह किडनी में गंभीर समस्या या कैंसर के भी लक्षण हो सकते हैं। इसलिए डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें कई टेस्ट करवाना जरुरी है।

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के लिए एक जून तक के लिए अंतरिम राहत दे रखी है। एक जून को लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का चुनाव है। 4 जून को नतीजों से पहले केजरीवाल को सरेंडर कर वापस जेल जाना होगा। हालांकि, चुनाव प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि यदि इंडिया गठबंधन की जीत हो गई तो अगले ही दिन वह जेल से बाहर आ जाएंगे।

बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल: एक्स्पायर्ड लाइसेंस और फायर एनओसी नहीं..जांच में सामने आ रही लापरवाही

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली के विवेक विहार में बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल में भीषण आग लगी और जल्द ही आसपास की दो इमारतों में फैल गई। घटना में करीब सात नवजात शिशुओं की मौत हुई और पांच घायल हो गए। अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची और एक ऑन-ड्यूटी डॉक्टर को गिरफ्तार किया। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, मालिक की ओर से लापरवाही की चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। अधिकारियों के अनुसार, निजी नवजात अस्पताल कथित तौर पर एस्पायर्ड लाइसेंस और अग्निशमन विभाग से एनओसी के बिना अवैध रूप से संचालित हो रहा था। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल को जारी किया। लाइसेंस 31 मार्च 2024 को पहले ही समाप्त हो चुका था। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि यहां तक कि अस्पताल को जारी लाइसेंस भी केवल पांच बिस्तरों के लिए ही अनुमति देता है। पुलिस ने कहा कि जांच में सामने आया कि बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल के पंजाबी बाग, फरीदाबाद और गुरुग्राम में ऐसी तीन और ब्रॉच हैं। पुलिस ने बताया कि आग लगने की स्थिति में किसी भी आपात स्थिति के लिए अस्पताल में कोई अग्निशामक यंत्र नहीं लगाया गया था। वहां कोई आपातकालीन निकास भी नहीं था। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अस्पताल के पास विभाग से मंजूरी भी नहीं थी। इमारत के पास कोई फायर एनओसी नहीं है। उन्होंने बताया कि दो मंजिला इमारत में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर फटे जिससे आसपास की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

पोर्श कार हिट एंड रन मामला: 3 लाख रुपये लेकर नाबालिग के ब्लड सैंपल गायब किए

पुलिस ने दोनों दो डॉक्टरों को गिरफ्तार किया

पुणे । पुणे में हुए पोर्श कार हिट एंड रन मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मामले में दो डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच का दावा के ही इन दोनों ने आरोपी नाबालिग की मेडिकल रिपोर्ट को बदलने के लिए रिश्वत ली थी। इन दोनों ने नाबालिग आरोपी को बचाने के लिए उसके ब्लड सैंपल गायब किए थे। इसी ब्लड सैंपल से इस बारे का पता लगाया जाना था कि नाबालिग आरोपी ने उस दिन शराब पी थी या नहीं। इस मामले में पुणे के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। पुलिस कमिश्नर अमितेश ने बताया कि पुणे पोर्श कार हादसे में दो डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक डॉक्टर का नाम हैलनोर है। आरोपी डॉक्टर ने खुलासा किया है कि उसने फॉरेंसिक विभागाध्यक्ष डॉ. अजय तवारे के निर्देश पर ब्लड का सैंपल बदल दिया था। ये काम करने के लिए आरोपी डॉक्टर को तीन लाख रुपये मिले थे। पुणे पुलिस ने नाबालिग आरोपी की ब्लड जांच के लिए सैंपल ससुन अस्पताल भेजा था। इन दोनों डॉक्टर्स ने मिली भगत से आरोपी के ब्लड सैंपल को किसी दूसरे ब्लड सैंपल के साथ बदल दिया था। आरोप है कि नाबालिग के पिता ने खून के नमूने बदलने के लिए डा. तवारे को कॉल किया था। इसके बाद 19 मई को सुबह करीब 11 बजे अस्पताल में लिया गया खून का नमूना अस्पताल के कूड़ेदान में फेंक दिया गया और दूसरे व्यक्ति का खून का नमूना लिया गया।

इस सैंपल को फोरेंसिक लैब में भेजा गया। जांच के दौरान सीएमओ श्रीहरि हल्नोर ने ब्लड सैंपल को बदला।

चुनाव आयोग ने 'इलेक्शन मित्र ऐप' का किया शुभारंभ

-मतदाताओं को मिलेगी मतदान की सभी जानकारी

पटना।

बिहार में पटना जिला प्रशासन ने विकसित 'इलेक्शन मित्र ऐप' और व्हाट्सऐप चैटबोट का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास ने डीएम शीर्षत कपिल अशोक, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आलोक रंजन घोष, उप विकास आयुक्त तनय सुल्तानिया की मौजूदगी में किया गया। इलेक्शन मित्र ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर मतदान से जुड़ी सभी जानकारियां प्राप्त की जा सकती है। इसमें मतदान केंद्र की जानकारी, केंद्र तक पहुंचने का रास्ता, केंद्र पर उपलब्ध सुविधाएं, जिला नियंत्रण कक्ष व वोटर हेल्पलाइन ऐप आदि की जानकारी मौजूद है। वहीं जिला प्रशासन पटना के व्हाट्सऐप चैटबोट नंबर 7480888493 पर मतदाता हॉय, हैलो टाइप कर मतदान से जुड़ी सभी जरुरी जानकारी ले सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाताओं को जागरूक करने जिला प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन- हरेक वोटर से मिलकर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना, वोटर इनूफॉर्मेशन स्लिप का समय वितरण करना, सभी स्टेकहोल्डर्स को सक्रिय रूप से शामिल करना, डिजिटल और तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना आदि कार्य सराहनीय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम पटना शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि प्रशासन पटना मतदाताओं के लिए सजग और तत्पर है। प्रत्येक मतदाता सहज और सरल ढंग से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें इसकी सारी व्यवस्था है। ऐप और चैटबोट इसे एक नया आयाम देगा। इससे मतदाता सुविधानुसार समय पर बूथ पर जाकर मतदान कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इस बार पटना साहिब और पाटलिपुत्र लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में रिकॉर्ड मतदान होगा।

तेलंगाना सरकार ने लगाया तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखे पर बैन

हैदराबाद।

गुटखा, पान मसाला या सिगरेट यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं यह सब जानकर भी लोग इसे खाने से परहेज नहीं करते हैं। इससे खतरनाक बीमारी जन्म लेते हैं जो हमारी जान भी ले लेती हैं। इन्हीं सब को देखते हुए तेलंगाना सरकार ने पूरे राज्य में तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा और पान मसाला के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने स्वास्थ्य चिंताओं का हवाला देते हुए 24 मई को आदेश दिया कि यह निषेध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 30 की उप-धारा (2) के खंड (ए) के तहत खाद्य सुरक्षा और मानक विनियमन 2011 के विनियमन 2.3.4 के संयोजन में अधिनियमित किया गया है। जीएचएमसी के सहायक खाद्य नियंत्रक के बालाजी राजू ने कहा कि पिछले चार से पांच महीनों से बिक्री की जा रही थी, लेकिन यह आदेश इस पर रोक लगाता है। इस आदेश ने हैदराबाद के बाजारों के पान दुकान के मालिक इसका पालन करने को तैयार हैं लेकिन क्षेत्र की असंगठित प्रकृति के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पान शॉप ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद सलाहुद्दीन दखनी ने कहा कि तेलंगाना में करीब 1.5 लाख पान की दुकानें हैं। हम गुटखा पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं और कई दुकानदारों ने बिक्री भी बंद कर दी है। उन्होंने कहा कि हम अधिकारियों से चबाने वाले तंबाकू और जर्दा को छूट देने का अनुरोध करते हैं, क्योंकि लाखों परिवार अपनी आजीविका के लिए इन बिक्री पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि उनके संघ ने पहले इस मुद्दे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को ज्ञापन सौंपा था।

संक्षिप्त समाचार

21 घंटे बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर विमान का संचालन शुरु

कोलकाता । चक्रवात रेमल के चलते कोलकाता हवाई अड्डे पर 21 घंटे तक विमानों की आवाजाही रद्द रहने के बाद फिर से उड़ान सेवाएं शुरू की गईं। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह 8.59 बजे इंडिगो के कोलकाता-पोर्ट ब्लेयर विमान ने उड़ान भरी, जबकि कोलकाता में उतरने वाला पहला विमान गुवाहाटी से पहुंचा था। यह सुबह 09.50 बजे हवाई अड्डे पर उतरा था। अधिकारी ने बताया कि कुछ अन्य उड़ानों के लिए चेक-इन जारी है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि उड़ान संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है, लेकिन स्थिति सामान्य होने में कुछ और समय लगेगा। रविवार आधी रात के आसपास आए चक्रवात के कारण कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश हुई। कोलकाता हवाईअड्डे के अधिकारियों ने चक्रवात रेमल के संभावित प्रभाव को देखकर रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए विमान संचालन को रद्द कर दिया था।

आवारा कुत्तों के झुंड ने सो रहे बहन-भाई पर किया हमला

-बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला, डेढ़ साल के बच्चे की हालत गंभीर

कानपुर। आवारा कुत्तों के आतंक की आए दिन खबरे और वीडियो देखने को मिलती हैं जिसमें कुत्ते मासूम पर हमला कर उनकी जान ले रहे हैं या फिर उन्हें घायल कर रहे हैं। वहीं एक ऐसा ही मामला यूपी के कानपुर में सामने आया जहां आवारा कुत्तों के एक झुंड ने भाई-बहन पर हमला कर दिया। कुत्तों ने पांच साल की बच्ची को नोंच-नोंचकर मार डाला। वहीं बच्ची के भाई की हालत गंभीर है। कानपुर के गोविंद नगर सीटीआई चौराहे पर फुटपाथ गरीब परिवार के बच्चे सो रहे थे। इस दौरान दो बच्चों को कुत्तों ने खींच लिया। पांच साल की बच्ची को आवारा कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला। वहीं डेढ़ साल के बच्चे की हालत गंभीर है। आवारा कुत्तों ने सोते समय बच्ची के सिर से पैर तक काट काट लिया। उसके बाद डेढ़ साल के बच्चे पर भी हमला बोल दिया दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई और वहीं डेढ़ साल के बच्चे का इलाज जारी है उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मानसिक तनाव से परेशान सैनिकों के लिए प्रॉजेक्ट मान बना वरदान

कई एनजीओ और कार्पोरेट कंपनियां मदद कर रही

मुंबई । सुरक्षाबलों में इसतरह के जवानों की संख या तेजी से बढ़ी है, जो किसी न किसी कारण से मानसिक दबाव में हैं। अतीत में घटित कई अप्रि य घटनाओं को देखकर सेना अपने जवानों की सेहत को लेकर काफी सजग हो गई हैं। इसके बाद उनकी मदद करने को कई एनजीओ और कार्पोरेट कंपनियां भी आगे आ रहे हैं। एक ऐसी ही पहल के तहत आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट ने एम-पावर पहल के अंतर्गत प्रॉजेक्ट मान प्रोग्राम शुरू किया है। आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट ने एम-पावर पहल के अंतर्गत सीआईएसएफ के जवानों के लिए प्रॉजेक्ट मान प्रोग्राम शुरू किया है। सैंकड़ों जवानों की काउंसिलिंग की गई। स्क्रीनिंग में सबसे कॉमन स्ट्रेस की समस्या देखने को मिली। बातचीत के दौरान स्ट्रेस के कई कारण भी सामने आए। इसके बाद काउंसलर ने बहुत अधिक स्ट्रेस से जूझ रहे जवानों की काउंसलिंग के बाद कुछ थैरेपी दी, जिसका सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं। स्क्रीनिंग के साथ काउंसलिंग और ट्रेनिंग ने जवानों को स्ट्रेस पहचानने और उससे निपटने में मदद की।

छापेमारी, 8 करोड़ की 53.64 लाख विदेशी सिगरेट जब्त

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय मुंबई जोनल यूनिट ने एक साथ मुंबई और नवी मुंबई में कई परिसरों की तलाशी ली, जो सिगरेट और अन्य प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी में शामिल होने वाले एक सिंडिकेट द्वारा संचालित किए जा रहे थे।डीआरआई की इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप 8.04 करोड़ रुपये मूल्य की 53.64 लाख विदेशी ब्रांडेड सिगरेट की छड़ें जब्त की गईं। सिंडिकेट के मास्टरमाइंड को उसके सहयोगी के साथ प्रतिबंधित सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया।

सातवें और अंतिम चरण में 1 जून को यूपी की 13 सीटों पर मतदान

-वाराणसी से पीएम मोदी समेत कई दिग्गज हैं चुनावी मैदान में

लखनऊ।

लोकसभा चुनाव के छह चरणों का मतदान पूरा हो चुका है। इसमें सभी उम्मीदवारों को भाग्य ईवीएम में बंद हो चुका है। अब सातवें और अंतिम चरण के लिए 1 जून को सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर मतदान होना है। वहीं यूपी की 13 सीटों पर भी मतदान होगा। इसमें वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी और गोरखपुर से रवि किशन समेत कई दिग्गज चुनावी मैदान में हैं इनका फैसला अब जनता के हाथ में है।

सातवें चरण में यूपी की वाराणसी, मिर्जापुर, घोसी, बलिया, गाजीपुर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, सलेमपुर, चंदौली और राबर्ट्सगंज में 1 जून को वोट डाले जाएंगे। वाराणसी से बीजेपी उम्मीदवार के रुप में पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं। पीएम मोदी तीसरी बार वाराणसी से चुनाव मैदान में हैं। इस सीट पर पीएम मोदी के सामने कांग्रेस ने अजय राय को मैदान पर उतारा है। अब देश की निगाहें इस संसदीय सीट पर लगी हुई हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। अपना दल सोनेलाल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को सहयोगी दल बीजेपी से एक सीट राबर्टसगंज सीट भी मिली है। उन्हें खुद अपनी सीट तीसरी बार जीतने की चुनौती है तो दूसरी सीट भी जिताने की जिम्मेदारी भी है। वहीं योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के लिए घोसी सीट का चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। अपने बेटे अरविंद राजभर को जिताने के लिए उन्होंने एड़ी चोटी जोर लगा दिया है। रघुराज प्रताप सिंह ने अपने इलाके से बाहर अब मिर्जापुर में भी अपनी धाक जमाने की तैयारी कर ली है। बाहुबली मुख्तार अंसारी के निधन के बाद उससे उपजी सहानुभूति का लाभ घोसी, गाजीपुर व बलिया पर पड़ सकता है। इसको लेकर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी उत्साहित हैं। गाजीपुर में मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी प्रत्याशी हैं तो राजीव राय घोसी में सपा से चुनाव लड़ रहे हैं। बलिया से सपा के सनातन पांडेय को भी मुख्तार के निधन की सहानुभूति का लाभ मिलने की उम्मीद है।

अखिलेश की हुंकार.......हार के डर से उनकी जुबान भी लड़खड़ा गई

गाजीपुर ।

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रैली को संबोधित कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि गाजीपुर का उत्साह बता रहा है कि इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी जीत कर जा रहे हैं।

उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि ना केवल रिकॉर्ड मतों से जीत रहे हैं, गाजीपुर के लोगों के उत्साह के समाने दिल्ली से आने वाले थर्रा रहे हैं। गाजीपुर की सभा के दौरान बलिया से सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय भी मौजूद रहे। अखिलेश ने कहा कि ये जो 4 सौ पार कह रहे थे, ये 4 सौ हारने जा रहे हैं। आपने देखा होगा जो बहुत बड़ी बड़ी बात कहते थे, इधर उनका जो आत्मविश्वास लड़खड़ाया, उनकी जुबान भी लड़खड़ा गई है। उन्होंने कहा कि जिस समय 2022 के चुनाव के पहले मैंने यहीं से रथ यात्रा शुरू की थी, जो सहयोग समर्थन आपसे मिला था मुझे नहीं पता था कि मुझे रात में चलना पड़ेगा, पूरा दिन पूरी रात चलकर लखनऊ पहुंचा था। फिर वहीं खबर मिली थी मोदी सरकार ने काले कानून वापस ले लिए थे। अखिलेश ने कहा कि सोचिए जिन्होंने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी वहां नहीं हुई, हम अपने किसान भाईयों को कह के जा रहे हैं, इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हम इनका कर्ज माफ करने और एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का काम करने वाले है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार में जितनी भी परीक्षाएं हुई, उन सब के पेपर लीक हो गए। नौजवानों की नौकरी छीनी ही छीनी है, नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद करने का काम किया है। यादव ने कहा कि वह (भाजपा) गुस्से का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, देश की 140 करोड़ जनता भाजपा को 140 सीट के लिए भी तरसाएगी।

2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन... भूस्खलन के कारण

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी सरकार ने कहा है कि भूस्खलन के कारण ''2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन'' हो गए है। सरकार ने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका जाहिर थी। सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है। द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रीय आपदा केंद्र के कार्यवाहक निदेशक ने कहा कि भूस्खलन में ''2000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए'' और ''बड़ा विनाश'' हुआ। भूस्खलन के बाद से हताहत हुए लोगों की संख्या का अनुमान व्यापक रूप से अलग-अलग है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारियों ने पीड़ितों की संख्या कैसे गिनी। ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन स्थल पर मदद के लिए विमान और अन्य उपकरण भेजने की तैयारी की। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में रात भर हुई बारिश के बाद यह आशंका पैदा हो गई है कि जिस कई टन मलबे में सैकड़ों ग्रामीण दबे हैं, वह खतरनाक रूप से अस्थिर हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि उनके अधिकारी पापुआ न्यू गिनी के अपने समकक्षों के साथ बात कर रहे हैं। देश की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम में एंगा प्रांत में शुक्रवार को भूस्खलन हुआ था। इस भूस्खलन में मारे गए छह लोगों के शव बरामद हुए है।

यूरोपीय बैंक रूस से निकल जाएं या फिर प्रतिबंधों के लिए तैयार रहें

-अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन ने यूरोपीय बैंकों को दी चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन ने रूस में काम कर रहे यूरोपीय बैंकों चेतावनी दी वे रूस से फौरन निकल जाएं। इटली में जी7 वित्त नेताओं के साथ एक बैठक में येलेन ने जोर देकर कहा कि अमेरिका उन बैंकों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है जो रूस के युद्ध प्रयासों का समर्थन करने वाले लेनदेन को आसान बनाते हैं। येलेन ने रूसी परिचालनों में शामिल जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा कि यदि जरूरी हुआ तो अमेरिका इन बैंकों पर प्रतिबंध लगा सकता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया के रायफ़ेसेन बैंक इंटरनेशनल और इतालवी बैंक यूनी क्रेडिट को उनके पर्यवेक्षकों द्वारा दी गई सलाह का भी उल्लेख किया, जिसमें रूस में उनकी गतिविधियों के साथ अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया था। येलेन की बातों को ध्यान में रखते हुए यूरोपीय सेंट्रल बैंक के नीति निर्माता फैबियो पैनेटा ने इतालवी बैंकों को रूसी लेनदेन से बाहर निकलने की सलाह दी। रूस में सबसे बड़ा यूरोपीय ऋणदाता रायफ़ेसेन, जिसके बाद यूनिक्रेडिट है का उल्लेख इस संदर्भ में किया गया है। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने ट्रेजरी को यूक्रेन में संघर्ष के जवाब में रूस और अन्य संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधों की चोरी में मदद करने पर बैंकों को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से अलग करने की शक्तियां प्रदान की हैं। इसके बाद ही येलेन ने रूस में यूरोपीय बैंकों से कहा कि वे रूस से निकल जाएं या फिर उन पर लगने वाले प्रतिबंधों के लिए तैयार रहें। येलेन ने इस बात पर भी जोर दिया कि रूस की अर्थव्यवस्था तेजी से युद्ध अर्थव्यवस्था बन रही है।

ब्राजील में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 169 हुई

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में 29 अप्रैल को आए तूफान के बाद से रिकॉर्ड बारिश और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 169 हो गई है। आपदा एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा, पिछले 24 घंटों में तीन और शव बरामद किए गए, जबकि राज्य में अब तक देखी गई सबसे खराब प्राकृतिक आपदा के कारण 56 लोग लापता हैं। बाढ़ और उफनती नदियों के कारण 23 लाख से अधिक निवासी विस्थापित हुए हैं। गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा है कि राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे और अन्य 469 नगर पालिकाओं में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में कम से कम एक साल लगेगा। मौसम पूर्वानुमान में पोर्टो एलेग्रे और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में इस आगामी सप्ताह में अधिक बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, जोखिम को कम करने के लिए स्कूल 48 घंटों के लिए बंद किया गया। रियो ग्रांडे डो सुल अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा पर है और यह ब्राजील में एक महत्वपूर्ण कृषि केंद्र और लैटिन अमेरिका में चावल का शीर्ष उत्पादक क्षेत्र है।

टोंगा में शक्तिशाली भूकंप, सुनामी आने का खतरा नहीं

नुकुआलोफा। द्वीप राष्ट्र टोंगा में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, लेकिन भूकंप के कारण सुनामी आने का खतरा नहीं है और न ही लोगों के हताहत होने की कोई सूचना मिली है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप सुबह नौ बजकर 47 मिनट पर आया और इसकी प्रारंभिक तीव्रता 6.6 थी। भूकंप का केंद्र राजधानी नुकु'आलोफा से 198 किलोमीटर उत्तर में 112 किलोमीटर की गहराई पर था।

लाओस में फंसे 13 भारतीय को बचाया

लाओस। अवैध रूप से काम के लिए बहला फुसलाकर लाओस ले जाए गए 13 भारतीय को बचाकर उन्हें घर वापस भेजा जा रहा है। लाओस में भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। पिछले महीने लाओस में 17 भारतीय कामगारों को बचाकर उन्हें भारत वापस लाया गया था। लाओस में भारतीय दूतावास ने कहा सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में भारतीयों की सुरक्षा और हित सुनिश्चित करने के लिए दूतावास ने 13 भारतीयों को बचाया और वापस लाया गया। इनमें अटापेउ प्रांत में एक लकड़ी के कारखाने में काम करने वाले ओडिशा के सात कामगार और बोकेओ प्रांत में स्थित गोल्डन ट्रायंगल एसईजेड में काम करने वाले छह भारतीय युवा शामिल हैं।

मेक्सिको में चुनाव के पहले 36 मौतें

मेक्सिको। मेक्सिको में अगले महीने आम चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव के पहले ही उम्मीदवारों की हत्या की जा रही है। जिसके कारण मेक्सिको में लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। जगह-जगह गोलीबारी हो रही है। सेंट्रल मेक्सिको की गिसेला गायटन मेयर पद के लिए एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंची। उसी समय गोलीबारी शुरू हो गई। थोड़ी देर बाद उनका मृत शरीर सड़क पर पड़ा हुआ मिला। पिछले 1 साल के अंदर चुनाव को लेकर जो संभावित उम्मीदवार थे। उनकी खुलेआम हत्या की जा रही है। अभी तक 36 उम्मीदवारों की मौत मेक्सिको में हो चुकी है। कई हथियारबंद गिरोह खुले आम चुनाव को लेकर भय फैला रहे हैं। उम्मीदवार और उनके रिश्तेदारों की हत्या कर रहे हैं। जबरिया वसूली का रैकेट भी चलाया जा रहा है। कट्टरपंथी अपराधिक हथियारबंद समूह खुलेआम वारदात कर रहे हैं। मेक्सिको और आसपास के शहरों में खुलेआम खून खराबा जारी है। जिसके कारण चुनाव के पहले ही लोगों में भय फैल गया है। आतंकवादी संगठन चुनाव में उन उम्मीदवारों को हराकरना और जिताना चाहते है। जिन्हें वह पसंद करते हैं। जो उम्मीदवार उनके विरोध में है, उनकी हत्या करने का अभियान चला रहे हैं।

शरणार्थी शिविरों पर इजरायल की एयर स्ट्राइक, 40 से ज्यादा लोगों की मौत

गाजा। रविवार को इजरायली बलों ने राफा में शरणार्थी शिविरों पर हवाई हमले किए। इसमें कम से कम 40 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और बड़ी संख्या में लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। आईडीएफ ने ऑपरेशन के बारे में बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर हमारी टीम ने हमास के शिविरों पर हमला किया, जिसमें वेस्ट बैंक का हमास कमांडर समेत कई आतंकी मारे गए हैं। उधर, हमास ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने उन स्थानों को निशाना बनाया जहां 15 दिन पहले आम लोगों ने हमलों से बचने के लिए शरण ली थी। दक्षिण गाजा के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि गाजा पट्टी से अपनी जान बचाकर राफा भागे विस्थापितों पर इजरायली बलों ने हवाई हमले किए। इस हमले में कम से कम 35 लोग मारे गए हैं। हमास ने इजरायली हमले को नरसंहार करार दिया है। हमास ने हमले के बाद एक बयान में कहा कि इजरायली बलों का हमला इतना क्रूर था कि उन्होंने विस्थापितों के लिए बनाए गए टैंट और राहत शिविरों पर बम बरसाए। नजारा बेहद भयावह था- टैंट और उसके अंदर मृत पड़े शव आग की बरसात में गल और जल रहे थे। हमास ने इजरायल पर निर्दोषों की हत्या का इल्जाम लगाया है।

सियोल में जापान के प्रधानमंत्री फिमियो किशीडा ट्राइलेटल सम्मेलन के लिए अपने समकक्ष के साथ दक्षिण कोरिया पहुंचे।

अमेरिका में बवंडर का कहर : हवा में उड़ते दिखे कई घर, कारों के परखच्चे उड़े

टेक्सास। अमेरिका में आए एक बवंडर ने देखते ही देखते बहुत कुछ तहस नहस कर दिया है। कई घर हवा में उड़ते दिखाई दिए तो तमाम कारें हवा की चपेट में आईं और काफी ऊपर तक उड़ गई। जब नीचे गिरीं तो उनके परखच्चे उड़ गए। बवंडर इतना तेज था कि टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस राज्यों में बवंडर के कहर से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। कई इमारतें, बिजली और गैस लाइनें और एक ईंधन स्टेशन नष्ट हो गया, जहां कई लोग शरण लिए हुए थे। खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गई। कुक काउंटी के शेरिफ रे सैपिंगटन ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अधिकारियों को मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस बीच खोज एवं बचाव अभियान जारी है और उन्हें जीवित बचे लोगों के मिलने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार रात (स्थानीय समय) उन राज्यों में भयंकर तूफान आया, जहां तापमान बहुत अधिक चल रहा है। टेक्सास का कुक काउंटी, डलास के उत्तर में और डेंटन काउंटी सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं, जहां सात लोगों की मौत हो गई। कुक काउंटी के शेरिफ रे सैपिंगटन ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अधिकारियों को मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस बीच खोज एवं बचाव अभियान जारी है और उन्हें जीवित बचे लोगों के मिलने की उम्मीद है। बवंडर ने पूरे टेक्सास में सतही यातायात को भी प्रभावित किया, जिससे लॉरियां पलट गईं और प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए, जबकि कई खंभे उखड़ गए, जिससे बिजली आपूर्ति बंद हो गई।

अंतरिक्ष से अमेरिका पर पैनी नजर रखेगा नार्थ कोरिया का तानाशाह

टोक्यो (एजेंसी)। लंबे समय से नार्थ कोरिया और अमेरिका के बीच टसन चली आ रही है। दोनों ही देश एक दूसरे पर पैनी नजर रखते हैं। उनकी गतिविधियों के अनुसार अपनी तैयारी करते हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि अब नार्थ कोरिया के तानाशाह ने अपनी नई योजना के तहत अमेरिका पर पैनी नजर रखने की बड़ी योजना बना रखी है। किम जोंग उन ने एक बार फिर से अमेरिका के दिल की धड़कनें बढ़ा दी हैं। कोरिया फिर अपना स्पाई सैटेलाइट यानी जासूसी सैटेलाइट भेजने वाला है। उसने जापान को इसकी सूचना दे दी है। नॉर्थ कोरिया ने जापान से कहा है कि वह अगले सप्ताह की शुरुआत में सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना बना रहा है। यह नॉर्थ कोरिया का दूसरा स्पाई सैटेलाइट होगा। इसे 3 जून तक अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा जाएगा। साउथ कोरिया, जापान और चीन के नेता सोमवार को अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक के लिए सियोल में एकत्र थे, तभी तानाशाह के इस कदम के बारे में यह जानकारी सामने आई। जापान के कोस्ट गार्ड ने कहा, 'उसे नॉर्थ कोरिया ने सैटेलाइट रॉकेट को लॉन्च करने की सूचना दी है। उसने सैटेलाइट लॉन्च को लेकर एक सुरक्षा चेतावनी दी है। सैटेलाइट लॉन्च की प्रक्रिया कोरियाई प्रायद्वीप और चीन के बीच और फिलीपीन द्वीप लुजोन के पूर्व जलक्षेत्र में सोमवार से शुरू होकर 3 जून की आधी रात तक चलेगी। अब सवाल उठता है कि आखिर नॉर्थ कोरिया ने अपने सैटेलाइट लॉन्च की सूचना जापान को क्यों दी है? दरअसल, नॉर्थ कोरिया ने जापान को लॉन्च की जानकारी इसलिए दी है, क्योंकि जापान का ही कोस्ट गार्ड पूर्वी एशिया में समुद्री सुरक्षा जानकारी को कॉर्डिनेट और डिस्ट्रीब्यूट करता है। नॉर्थ कोरिया अपना दूसरा स्पाई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला है। इससे पहले पिछले साल नवंबर 2023 में नॉर्थ कोरिया ने अंतरिक्ष में अपना पहला जासूसी सैटेलाइट तैनात किया था। इससे पहले उसे दो बार असफलता हाथ लगी थी। मगर तीसरी बार में उसने अंतरिक्ष में फतह हासिल कर ली। अंतरिक्ष से अपने दुश्मनों पर नजर रखने के लिए नॉर्थ कोरिया लगातार जासूसी सैटेलाइट तैनात कर रहा है।

हालांकि, जापान चाह रहा है कि नॉर्थ कोरिया यह लॉन्चिंग न करे। जापानी कोस्ट गार्ड ने आगे कहा, 'जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने अधिकारियों को अमेरिका, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के साथ सहयोग के साथ नॉर्थ कोरिया से सैटेलाइट लॉन्च न करने का दृढ़ता से अनुरोध करने को कहा है। इतना ही नहीं, किसी भी इमरजेंसी के हालातों के लिए उपाय करने और तैयार रहने का निर्देश दिया। वहीं, साउथ कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि ऐसे संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया ऐसी गतिविधियों में शामिल है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि यह उत्तर-पश्चिम में अपनी मुख्य टोंगचांगरी लॉन्च फैसिलिटी से से एक जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य खतरों से निपटने के लिए और अंतरिक्ष-आधारित निगरानी नेटवर्क बनाने के अपने प्रयासों के तहत अपना पहला जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा था। नॉर्थ कोरिया स्पाई सैटेलाइट से अमेरिका और साउथ कोरिया की हर गतिविधि पर नजर रखना चाहता है। उसका कहना है कि अमेरिका और साउथ कोरिया की गतिविधियों पर बेहतर निगरानी रखने के लिए उसने यह कदम उठाया है। इतना ही नहीं, अपनी परमाणु-सक्षम मिसाइलों की सटीक-हमला क्षमता बढ़ाने के लिए जासूसी सैटेलाइट की जरूरत है।

सऊदी विदेश मंत्री फैसल ने इजरायल के इस रुख पर जाहिर की चिंता

ब्रसेल्स (एजेंसी)। सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने कहा है कि इजरायल और फिलिस्तीन विवाद का द्वि-राष्ट्र समाधान ही क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा की नींव रखेगा। इसके साथ ही सऊदी अरब ने इजरायल के द्वि-राष्ट्र समाधान को स्वीकार नहीं करने पर चिंता जाहिर की। सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने ये बातें कहीं। सऊदी विदेश मंत्री ने साफ किया कि फिलिस्तीनी राज्य के बिना इजरायल का अस्तित्व नहीं होगा। प्रिंस फैसल गाजा पट्टी में विकास को लेकर यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ मंत्रीस्तरीय समिति की बैठक में हिस्सा लेने बेल्जियम पहुंचे थे।

बैठक के बाद प्रिंस फैसल ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक विश्वसनीय फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के साथ दो-राज्य समाधान फिलिस्तीनियों के हित में है और यह उनके आत्मनिर्णय के अधिकार को पूरा करता है। उन्होंने कहा, यह इजरायल के हित में भी है, जो इजरायल को सुरक्षा प्रदान करता है जिसका वह हकदार है।

सऊदी विदेश मंत्री ने कहा, तथ्य यह है कि इजरायल की वर्तमान सरकार को इस बात का अहसास नहीं है, निश्चित ही यह अत्यधिक चिंता का विषय है। यह बेहद जरूरी है कि इजरायल यह स्वीकार करे कि फिलिस्तीनी राज्य के बिना उसका अस्तित्व नहीं है। बैठक में हिस्सा लेने वाले प्रिंस फैसल ने कहा, इजरायल की स्थिति से अलग द्वि-राष्ट्र समाधान को फिर से जीवित करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि फिलिस्तीनियों को आत्मनिर्णय का अधिकार है या नहीं, यह इजरायल नहीं तय कर सकता है। उन्होंने गाजा में संघर्ष को समाप्त करने और द्वि-राष्ट्र समाधान को लागू करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने रियाद और ब्रसेल्स बैठकों के दौरान द्वि-राष्ट्र समाधान को जीवित रखने पर ध्यान केंद्रित किया है।

पाकिस्तान में सेना के दखल को खत्म करने की कोशिश में जुटी शहबाज सरकार

इस्लामाबाद(एजेंसी)। अक्सर पाकिस्तान के बारे में कहा जाता है कि वहां सेना और सत्ता एक सिक्के के दो पहलू है। यही वजह है कि सेना में सत्ता और सत्ता में सेना की झलक दिख ही जाती है। हालांकि, अब शहबाज सरकार सेना और आईएसआई के दखल को रोकने की तैयारी में लग गई है। यहां के प्रधानमंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने एक तंत्र बनाने का आह्वान किया है ताकि संस्थान एक दूसरे के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी नहीं कर पाएं। दरअसल, उनका यह बयान न्यायाधीशों द्वारा पत्र लिखे जाने के बाद आया है, जिसमें न्यायिक कार्यों में खुफिया एजेंसियों द्वारा कथित हस्तक्षेप की बात कही गई थी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार इजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज ने 26 मार्च को सर्वोच्च न्यायिक परिषद को पत्र भेजा था। जिसमें न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप पर एक न्यायिक सम्मेलन बुलाने का आग्रह किया था। सनाउल्लाह ने एक मीडिया चैनल के शो में कहा, न्यायाधीशों द्वारा एक पत्र लिखना एक तंत्र के विकास के लिए पर्याप्त है ताकि संस्थाएं एक-दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप न करें। रिपोर्ट के अनुसार, राणा ने यह टिप्पणी इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के उस पत्र के संदर्भ में की जो मार्च में सामने आया था, जिसमें न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया था।

पाकिस्तान को ठेंगा दिखाकर... तालिबान से दोस्ती बढ़ा रहा चीन

पोर्ट मोरेस्बी (एजेंसी)। बीजिंग (ईएमएस)। अफगानिस्तान में साल 2021 में तालिबान के फिर से सत्ता में आने के बाद से चीन से उनके रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। चीन ने बीते साल झाओ जिंग को अफगानिस्तान में अपना राजदूत नियुक्त किया था। ऐसा करने वाला चीन पहला देश था। इस पर तालिबान की ओर से खुशी जाहिर की गई थी। चीन के फैसले को क्षेत्र में अपना प्रभाव मजबूत करने के प्लान के तौर पर देखा गया था। अफगानिस्तान उस क्षेत्र के केंद्र में है, जहां चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना चल रही है। इन दोनों देशों का एक और अहम पड़ोसी पाकिस्तान है, जो चीन का खास दोस्त और इस प्रोजेक्ट में भी अहम भागीदार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा के नजरिए से चीन और पाकिस्तान दोनों अफगानिस्तान को अपने-अपने क्षेत्रों में आतंकी गतिविधियों के प्रसार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा बफर के रूप में देखते हैं। इस कारण चीन और पाकिस्तान ने तालिबान को अपने हितों की रक्षा के लिए एक अच्छे विकल्प के तौर पर चुना था। तालिबान दोनों के लिए अहम है, क्योंकि उसके पास अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों पर नियंत्रण किया हुआ है।

पाकिस्तान की हालिया समय में तालिबान से कुछ शिकायतें भी रही हैं। वह आतंकवादी समूहों से लड़ने के अपने वादे पर खरा उतरता नहीं कर रहा है। इसके बाद चीन ने पाकिस्तान को दरकिनार कर तालिबान के साथ संबंधों का विस्तार किया है। ये क्षेत्र को संतुलित करने की इच्छा को दिखाता है। तालिबान के साथ चीन की सक्रिय भागीदारी के साथ ही ये भी ध्यान देने की बात है कि पाकिस्तान के तालिबान से हाल में रिश्ते अच्छे नहीं हैं। इससे कहीं ना कहीं त्रिपक्षीय सहयोग की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं।

अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से ही चीन अफगानिस्तान में कई पहलुओं में पहला प्रस्तावक रहा है। मानवीय सहायता प्रदान करने, बड़े निवेश सौदों पर हस्ताक्षर करने, काबुल में राजदूत नियुक्त करने और तालिबान राजदूत को स्वीकार करने वाला चीन पहला देश रहा है। चीन ने वास्तव में खुद को तालिबान के लिए एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में स्थापित किया है, जो युद्धग्रस्त देश के विकास में सहायता करने को तैयार है। साथ ही तालिबान शासन को अंतरराष्ट्रीय और राजनीतिक वैधता प्राप्त करने में भी मदद कर रहा है।

जल्द ही इंसानों के बर्दाश्त की हद से आगे निकल जाएगी गर्मी, मौसम वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

लंदन (एजेंसी)। असहनीय गर्मी के कारण घर के बाहर रह कर काम करने के लिए उपलब्ध मूल्यवान घंटे कम हो जाते हैं। एक हालिया शोध के अनुसार, अत्यधिक तापमान और आर्द्रता के कारण कई अरब कार्य घंटों का नुकसान हुआ। इस प्रवृत्ति के वैश्विक परिणाम होंगे। अर्थ सिस्टम साइंस के प्रोफेसर मार्क मास्लिन ने बताया कि दुनिया का आधा भोजन छोटे किसानों के खेतों में उगता है, जहां किसान मेहनत करके फसल तैयार करते हैं। जैसे-जैसे दुनिया गर्म होगी, ऐसे दिन ज्यादा होते जाएंगे, जब बाहर काम करना शारीरिक रूप से असंभव हो जाएगा, जो उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा को कम करेगा। लेकिन कार्डिफ यूनिवर्सिटी के मार्क ओ कथबर्ट के नेतृत्व में फरवरी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि विस्तारित पार्कलैंड के बीच हरियाली लगाने के साथ छतों और दीवारों को हरा भरा करने से या तो बाढ़ को कम किया जा सकता है या गर्मी को कम किया जा सकता है, लेकिन यह दोनों एक शहर में नहीं हो सकता।

कथबर्ट और उनके सह-लेखकों, ऑस्ट्रेलिया में यूएनएसडब्ल्यू सिडनी के डेनिस ओकोनेल और जर्मनी में कार्लज़ूए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के गेब्रियल सी राउ के अनुसार, शहरों के गर्म मौसम में गर्म होने और भारी वर्षा के दौरान बाढ़ का कारण एक ही है। कंक्रीट और स्टील की प्रचुरता गर्मी को अवशोषित और बरकरार रखती है, जबकि वही सीलबंद सतहें एक स्पंज की तरह काम नहीं कर सकती हैं कि बारिश को सोख लें और स्टोर कर लें, जैसे मिट्टी करती है, जिसकी जगह इन्होंने ले ली है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में हरियाली वाले शहर जैसे कि उत्तरी यूरोप और भूमध्य रेखा के आसपास मजबूत हीटवेव को कमजोर कर सकते हैं, क्योंकि पौधे प्रकाश संश्लेषण के दौरान जल वाष्प छोड़ते हैं, जिसका शीतलन प्रभाव होता है।

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि अफ्रीका दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। केन्या में आगा खान विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर अब्दु मोहिद्दीन का कहना है कि 2030 तक 11 करोड़ 80 लाख अत्यधिक गरीब लोग सूखे और भीषण गर्मी के विनाशकारी प्रभावों की गिरफ्त में होंगे। मोहिद्दीन का कहना है कि गर्म वातावरण के अनुकूल होने के लिए महाद्वीप को तत्काल वित्तीय और तकनीकी सहायता की आवश्यकता है, साथ ही यह आकलन करने के लिए अनुसंधान निधि की आवश्यकता है कि कौन और कहां सबसे कमजोर है।

इन क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में, पारंपरिक वास्तुकला से प्राप्त डिजाइन और निर्माण तकनीकें राहत के कुछ सबसे सस्ते और सबसे टिकाऊ रूपों की पेशकश कर सकती हैं। नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी में इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग सिस्टम के प्रोफेसर अमीन अल-हबेबेह ने उन तरीकों का अध्ययन किया है, जिन्होंने फारस की खाड़ी में सदियों से लोगों को ठंडा रखने में मदद की है। यहां, चूना पत्थर और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से बने घर नमी होने पर नमी को अवशोषित करते हैं और गर्म और धूप वाले दिनों में वाष्पीकरण के माध्यम से इसे छोड़ते हैं। अल-हबेबेह कहते हैं, यह थोड़ा ठंडा प्रभाव प्रदान करता है। इमारतों की रेतीली बनावट और रंग भी बहुत सारे सौर विकिरण को दर्शाता है।

टॉम मैथ्यूज और कॉलिन रेमंड, किंग्स कॉलेज लंदन और कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के जलवायु वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि मौसम की सीमा, जिसका पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्य सामना कर सकते हैं ग्रह के गर्म होने के साथ बदल रही है। इसका मतलब है कि गर्मी उस चरम सीमा को पार कर जाएगी, जिसमें मनुष्य जीवित रह सकता है। 2021 के एक अध्ययन में बताया गया है कि 1991 के बाद से अत्यधिक गर्मी के कारण होने वाली तीन मौतों में से एक को जलवायु परिवर्तन से जोड़ा जा सकता है।

तपती गर्मी में मुफीद है मटके का पानी

डॉ. रमेश ठाकुर

चिकित्सकों की माने तो आरओ पानी में बैक्टीरियल इन्फेक्शन और फंगल इन्फेक्शन की संभावना सबसे ज्यादा रहती हैं। इसके अलावा पेट से संबंधित अधिकांश बीमारी भी दूषित पानी के इस्तेमाल से पनपती हैं। आरओ पानी को पीने की कोई भी सलाह नहीं देता, विशेषकर बच्चों को? उनके लिए सबसे घातक होता है ये पानी? आरओ पानी का मतलब है टोटल डिसोल्वड सालिबिलिटी? मतलब उस पानी में साधारण पानी की अपेक्षाकृत कम खनिज लवणों का होना, जिसमें हानिकारक तत्व बेहताशा घुले होते हैं। पानी को दो-तीन मर्तबा छानने या फिल्टर करने का मतलब होता है पानी की आत्मा को अंदर खींचकर शरीर से अलग कर देना।

आधुनिक चकाचौंध में टेक्नोलॉजी से लबरेज युग में देसी मटकों का क्रेज आज भी बरकरार है। दूषित पानी के इस्तेताल से बढ़ते मरीजों को जबसे चिकित्सकों ने मटके का पानी पीने की सलाह दी है, लोगों का रुझान अनायास घड़ों की ओर दौड़ा है। मिट्टी का ये आइटम न सिर्फ मन को भाता है, बल्कि चिलचिलाती गर्मी में सूखे गलों को भी तरबतर कर देता है। घड़े का पानी पीने में तरावट आती है। गले में अलौकिक ठंड़क पड़ती है, क्योंकि घड़े के पानी में मिट्टी की सोंधी-सोंधी सुगंध जो आती है। घड़े का पानी जमीन से तुरंत निकले ताजे पानी जैसा अहसास करवाता है। गर्मियों में जब घड़ों की डिमांड बढ़ती है तो कुम्हारों का व्यवसाय भी खूब फलने-फूलने लगता है। इस सीजन में उनकी आमदनी में अचानक से उछाल आता है।

इस समय मटकों की कीमत दो सौ से लेकर हजार रुपए तक पहुंची हुई है। मटको की बढ़ती डिमांड को देखकर अब ऑनलाइन सेल्स कंपनियां भी कूद पड़ी हैं। वो कुम्हारों को ऑर्डर देकर मटके बनवाते हैं, फिर उच्च दामों में ऑनलाइन बेचती हैं। मटके का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, शरीर का बैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है और ब्लड सकुर्लेशन नियंत्रित रखने में मदद करता है। मई-जून में गर्मी का सितम जब नॉनस्टॉप होता है तो लोगों को देसी मटके की याद अचानक से आनी शुरू हो जाती है। आधुनिक युग में शायद ही कोई घर ऐसा हो, जिनके यहां फ्रिज न हो। बावजूद इसके देसी मटको का क्रेज अपने जगह बरकरार है। एक प्रचलित कहावत है कि ह्यसोने की खोज में, हीरे को भूल गए। कुछ ऐसा ही हुआ, जब जमाने ने बदलाव के लिए करवट ली, तो जनमानस ने देसी परंपराओं के साथ प्राचीन धरोहर कही जाने वाली वस्तुओं से भी तौबा कर लिया। पर, वक्त का पहिया फिर बदला है। इसलिए लोग पुराने जमाने की ओर फिर से मुड़ने लगे हैं। मई आधी से ज्यादा बीत चुकी है, पिछले सप्ताह से समूचे हिंदुस्तान में चिलचिलाती गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। फ्रिज का पानी आनंद नहीं दे रहा, इसलिए लोग मटको को पसंद कर रहे हैं। मटकों का पानी आज भी फ्रिज के मुकाबले ठंडा और स्वादिष्ट लगता है।

चंगे शरीर के लिए ताजा पानी लाभदायक होता है। इसलिए, देसी घड़े का पानी न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए बल्कि हजामा दुरुस्त के लिए भी गुणकारी होता है। चिकित्सीय सर्वेक्षण बताते हैं कि सर्दियों के मुकाबले गर्मियों में मटके का ठंडा पानी शरीर के लिए बहुत उपयोगी होता है। क्योंकि मटके की दीवारें से पानी धीरे-धीरे रिसता है और बर्तन की सतह से वाष्पित होता है। इसका भीतरी वातावरण वाष्पीकरण ऊष्मा ठंड़क का उतार्जन करता है जिससे अंदर जमा पानी चंद मिनटों में ठंडा हो जाता है। दरअसल, वाष्पीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पानी की तरलता से गैसीय अवस्था में बदलती है। जब पानी वाष्पित होता है, तो यह अपने आसपास की गर्मी को अवशोषित कर लेता है। बढ़ता तापमान मटके में मौजूद पानी को गर्मी से बचाता है। मटका मिट्टी से निर्मित होता है जिसमें सूक्ष्म छिद्र होते हैं, जो पानी को वाष्पित होने में मदद करते हैं। घड़े की मिट्टी पानी को इन्सुलेटर करती है जिसके इस्तेमाल से शरीर हाइड्रेट रहता है और पाचन प्रक्रिया हमेशा दुरुस्त रहती है।

बीते एक सप्ताह से गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रो में तापमान चालीस पार है, मैदानी क्षेत्रों में तो कहीं-कहीं पचास तक जा चुका है। ऐसे में पेट की ठंड़क मटकों पर निर्भर हो गई है। प्रत्येक चौथा व्यक्ति मटका खरीद रहा है। दरअसल, मटका एक प्राकृतिक कटोरा है जो मानव द्वारा निर्मित मात्र है जिसकी अंदरुनी दीवारें पानी को ठंडा बनाती हैं। मटके के धातु और मिट्टी के भीतर रखे गए पानी के संपर्क से पानी की ठंडक सूखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे होती है जिसमें पानी लंबे वक्त तक ठंडा रहता है। शायद ये भी एक कुदरती प्रक्रिया ही है कि जितनी गर्मी बढ़ेगी, मटके का पानी भी उतना ही ठंडा होगा। फ्रिज और आरओ पानी की आदत इंसान को कई बीमारियों से घेर रही है। जबकि, घड़े का पानी कई बीमारियों से लड़ने की ताकत रखता है। तभी तो घरों के बुजुर्ग अभी भी मिट्टी के बर्तनों का पानी पीने को कहते हैं। हालांकि, आधुनिक जमाने में बुजुर्गों के अनुभव कोई लेता कहां? मटके का पानी सिर्फ ठंडा-ठंडा, कूल-कूल ही नहीं करता, बल्कि कई बीमारियों से बचाव भी करता है।

मटके की सबसे बड़ी खासियत को भी हमें जानना चाहिए। मटका आरओ द्वारा प्यूरीफायर किए पानी से मर चुके मिनरल्स को भी दोबारा जिंदा कर देता है। अगर आरओ से पानी निकालकर घड़े में सिर्फ पंद्रह मिनट तक रखा जाए, तो उसके मरे हुए मिनरल्स वापस पनप जाते हैं। क्योंकि मिट्टी के घड़े में कैल्शियम की मात्रा बहुतायत रूप में रहती है। शहरों में अक्सर लोग अब यही करने लगे हैं, पानी को पहले प्यूरीफायर कर लेते हैं, फिर उसे घडे में उलट देते हैं जिससे पानी दोबारा से पहले से हो जाता है। चिकित्सक शुरू से कहते आए हैं कि आरओ के पानी में मिनरल्स बिल्कुल भी नहीं बचते, मर जाते हैं। आरओ द्वारा प्यूरीफायर पानी से सारे मिनरल्स निकल जाते है, जिस कारण उसका टीडीएस लेवल बहुत कम हो जाता है जिसके सेवन से लोगों की पाचन प्रक्रिया दिनोंदिन प्रभावित हो रही है। तमाम अन्य बीमारियां भी लग रही हैं।

चिकित्सकों की माने तो आरओ पानी में बैक्टीरियल इन्फेक्शन और फंगल इन्फेक्शन की संभावना सबसे ज्यादा रहती हैं। इसके अलावा पेट से संबंधित अधिकांश बीमारी भी दूषित पानी के इस्तेमाल से पनपती हैं। आरओ पानी को पीने की कोई भी सलाह नहीं देता, विशेषकर बच्चों को? उनके लिए सबसे घातक होता है ये पानी? आरओ पानी का मतलब है टोटल डिसोल्वड सालिबिलिटी? मतलब उस पानी में साधारण पानी की अपेक्षाकृत कम खनिज लवणों का होना, जिसमें हानिकारक तत्व बेहताशा घुले होते हैं। पानी को दो-तीन मर्तबा छानने या फिल्टर करने का मतलब होता है पानी की आत्मा को अंदर खींचकर शरीर से अलग कर देना। यही कारण है कि चिकित्सक मरीजों को मटके का ही पानी पीने की सलाह देते हैं। लोग भी अब समझ गए हैं, इसलिए गर्मी शुरू होते ही मटकों की खरीदारी करनी आरंभ कर देते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

बच्चों की जान बख्शें

राजकोट के टीआरपी मॉल के गेमिंग जोन में भीषण आग लगने से 33 लोगों की मौत हो गई। इनमें बच्चे भी हैं। सप्ताहांत के कारण मॉल में बहुत भीड़ थी। बता रहे हैं कि गेमिंग जोन में वेल्डिंग का काम भी चल रहा था। इसमें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। लोग भीतर ही फंसे रह गए। धुआं इतना था कि पांच किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था। आग के दरम्यान वहां का अस्थायी ढांचा भी ढह गया। चश्मदीदों का कहना है कि अग्नि शमन की गाड़ियां बहुत देर से पहुंचीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ढांचे में बहुत सारे टायर होने के कारण धुआं अधिक फैला। सवाल है कि यहां गेमिंग की मंजूरी कैसे और किसने दी? अग्नि शमन विभाग द्वारा एनओसी ली गई या नहीं, आपातकालीन निकास की व्यवस्था क्यों नहीं थी? राज्य में इसी साल जनवरी में वडोदरा की झील में नाव डूबने के कारण बारह बच्चों की मौत हो गई थी। उससे पहले मोरबी सस्पेंशन ब्रिज ढहने से 135 लोग मारे गए थे, जिनमें एक तिहाई बच्चे थे। 2019 में सूरत के कोचिंग सेंटर में लगी आग में बाइस छात्रों की मौत हो गई थी। सिलसिलेवार होने वाली इन भीषण घटनाओं को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि राज्य में शासन और व्यस्थागत गड़बड़ियां चरम पर हैं। बार-बार दुर्घटनाओं के बाद जांच और कुछ दोषियों के खिलाफ कदम उठाकर मात्र लीपापोती कर दी जाती है। एक साथ इतने लोगों की मौत, उस पर भी बच्चों का मरना भयावह है। इस वक्त देश में भीषण गरमी पड़ रही है जिसके चलते आग लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। दिल्ली के केअर सेंटर में भी शनिवार की रात ही आग में जल कर सात नवजात मर गए। बता रहे हैं, ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से वहां आग फैल गई। कुछ नवजात अभी लापता हैं, जिनके पालक इधर-उधर भटक रहे हैं। व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा को लेकर इतनी लापरवाही कैसे बरती जाती है। इसके लिए जो लोग दोषी हैं, उनको सख्त सजाएं क्यों नहीं दी जातीं। से सभी दोषियों को लंबे समय के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार में या सहायक के तौर पर मदद के लिए लगाया जाए। जरूरी है कि गर्मी आने से पूर्व ही अस्पताल जैसे इदारों में अग्नि शमन प्रणाली को रूटीन बनाकर उन पर नजर रखने की कवायद लगातार जारी रखी जाए। बच्चों और अन्य हादसे के शिकार लोगों के परिवारों को केवल सरकारी मुआवजा देकर ही हाथ न झाड़े जाएं बल्कि उनके परिवार के प्रति भी जिम्मेदार लोगों को नैतिक और भावनात्मक सहयोग देने के सख्त आदेश दिए जा सकते हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा।

वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा।

उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

वीर सावरकर जन्मदिन : हिंदुत्व की विचारधारा और सावरकर

प्रभुनाथ शुक्ल

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में वीर सावरकर जैसा व्यक्तित्व होना मुश्किल है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान वीर सावरकर ने हिंदुत्व की विचारधारा को पल्लवित और पोषित किया। देश के वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक माहौल में सावरकर के विचारों की प्रासंगिकता बेहद अहम हो गई है। लेकिन सावरकर का त्याग और बलिदान भारतीय राजनीति की विचारधारा में विभाजित हो गया है। यह हर भारतीय के लिए चिंता और विमर्श का सवाल है। देश की राजनीति में सावरकर की विचारधारा के मायने चाहे जो हों, लेकिन सावरकर होना कोई साधारण बात नहीं। सावरकर ने जिस विचारधारा को स्वाधीनता काल में आगे बढ़ाया था आज हिंदुत्व के लिए उस विचारधारा की कितनी अहमियत है यह देश खुद समझ सकता है। भारत और पश्चिम में हिंदुत्व के उभार को लेकर किस तरह का उग्र विश्लेषण होता है यह सर्व विदित है।

देश की राजनीति में आज हम जिस हिंदुत्व का निवेश कर आगे बढ़ रहे हैं वह एक नए रूप में परिभाषित हो रहा है। इसकी आवश्यकता सावरकर ने बहुत पहले बता दिया था। हालांकि सावरकर की इस विचारधारा पर दक्षिण और वामपंथ में काफी टकराहट है। दक्षिणपंथ जहां इसे अपनी विरासत मानकर इस पर गर्व करता है वहीं सेक्युलरवादी और वामपंथी विचारधारा के लोग इसे अलगाववाद की नीति कहते हैं। सावरकर रत्नागिरी जेल में रहते हुए 1921 में हिंदुत्व नाम से एक किताब लिखा था। वैसे यह किताब उनके उपनाम यानी बदले नाम से प्रकाशित हुईं। क्योंकि सावरकर उस समय जेल में बंद थे उन पर अंग्रेजों ने कड़ी निगरानी रखी थी। किस की बात हम आज कर रहे हैं उसे सावरकर बहुत पहले समझ गए थे। सावरकर को राजनीतिक विचारधारा में बांटना उचित नहीं होगा। पूरी दुनिया में इस्लामी गतिविधियां जहां तेजी से बढ़ रही हैं, वहीं भारत में हिंदुत्व के उभरते नए क्षितिज एक अच्छा संकेत है। लेकिन राजनीतिक विमर्श सावरकर को लेकर कई बड़े सवाल पैदा करता है।

वीर सावरकर के हिंदुत्व को राजनीति से जोड़ना कर देखते थे। वह हिंदुत्व को धर्म से अलग रखना चाहते थे। ऐसे लोगों का मानना है कि सावरकर का हिंदुत्व धर्म से न होकर राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा था।सावरकर अपने हिंदुत्व की विचारधारा में पश्चिम के सांस्कृतिक निवेश का घोर विरोध करते थे। उनके विचार में हिंदुत्व एक जीवन पद्धति और सभ्यता है। सिंधु घाटी सभ्यता से आने वाले लोग ही हिंदुत्व की पृष्ठभूमि से आते हैं। पवित्र भूमि से जुड़ने वाले लोगों को ही हिंदुत्व का पोषक मानते थे।

सावरकर की विचारधारा पर अध्ययन से पता चलता है कि वह इंग्लैंड में पढ़े होने के नाते आधुनिक विचारधारा के पोषक रहे। हालांकि स्वाधीन आंदोलन में अपने को बलिदान करने वाले मुस्लिम क्रांतिकरियों का बहुत सम्मान करते थे। लेकिन सेल्यूलर जेल में जाने के बाद मुसलमानों पर उनकी विचारधारा बदल गई। यह अंग्रेजों की फुटडालो राजनीति करो की नीति से हुआ। अंग्रेजी हुकूमत ने वीर सावरकर को बहुत प्रताड़ित किया। क्योंकि इस जेल में अधिकांश कैदी हिंदू थे लेकिन उन पर निगरानी करने वाले सिंधी बलोची और पठान थे। जेल में इन्हीं निगरानी ओहदेदारों की आड़ में अंग्रेज हिन्दू और मुसलमान में फूट डालना चाहते थे। इनकी प्रताड़ना की वजह से जेल में सावरकर के विचार बदल गए। इसका नतीजा यह हुआ कि सेल्यूलर जेल में धर्म के आधार पर कैदियों को प्रताड़ित किया जाने लगा।

जेल में हिंदू कैदियों का सबसे अधिक उत्पीड़न किया गया। इतनी अधिक लोगों को प्रताड़ना दी गई कि लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर कर दिया गया। इसके खिलाफ वीर सावरकर ने आवाज उठाई। फिर सावरकर को वहां से रत्नागिरी जेल में भेज दिया गया। लेकिन वहां भी सेल्यूलर जेल जैसी परिस्थितियों पैदा की गई। क्योंकि इस नीति के पीछे अंग्रेजों की साजिश थी। अंग्रेज मुस्लिम निगरानी ओहदेदारों की तरफ से हिंदू कैदियों को प्रताड़ित करवाते थे। जिसकी वजह से हिंदुओं में मुसलमानों के प्रति घोर नफरत पैदा हुई और अंग्रेज अपने चाल में सफल हुए। जेल यात्रा से ही सावरकर के विचार में उग्र हिंदुत्व की बात आई और राजनीति में उन्होंने खुलकर हिंदुत्व विचारधारा की वकालत किया।

सावरकर की विचारधारा को इस्लामी धार्मिक आंदोलन ने भी बड़ा मोड़ दिया। 19वीं शताब्दी की शुरूआत में तमाम मुस्लिम धार्मिक संस्थाओं की तरफ से मुद्दे उठाए जाने लगी जिसमें बहावी आंदोलन उन्हें काफी प्रभावित किया। मुसलमानों में धार्मिक कट्टरता बढ़ाने की वजह से सावरकर को इन गतिविधियों ने बहुत गहराई से प्रभावित किया। इसका नतीजा रहा कि वह हिंदुत्व विचारधारा का खुलकर समर्थन किया और उसे आगे बढ़ाया। फिर देश की राजनीतिक मुसलमानों का हस्तक्षेप बढ़ाने लगा। जिसने सावरकर को काफी हद तक प्रभावित किया।

सावरकर हिंदुत्व की विचारधारा की एक पहचान हैं।उनका मानना था कि भारत के लिए हिंदुत्व एक विशाल शब्द है। उनकी विचारधारा में भारत के सभी धर्म हिंदुत्व शब्द में समाहित हैं। उनके विचार में हिंदू वहीं है जो देशभक्ति करते हैं और उसे अपनी मातृभूमि मानते हैं। साल 1937 में रत्नागिरी जेल से रिहाई के बाद उन्होंने हिंदुत्व की बड़ी वकालत किया और राजनीति एवं सामाजिकता के लिए हिंदुत्व को बेहद जरूरी बताया। उन्होंने भारत को हिंदूराष्ट्र के रूप में स्थापित करने की विचारधारा का पूर्ण समर्थन किया। देश में पहली बार वीर सावर ने हिंदू महासभा का गठन किया और उसे एक राजनीतिक दल एवं विचारधारा के रूप में स्थापित किया। 1939 में सावरकर के नेतृत्व में मुस्लिम लीग और गैर कांग्रेसी दलों के गठबंधन सरकार गठन करने का प्रयास किया। क्योंकि 1939 ब्रिटिश ने भारत को एक युद्धरत देश घोषित कर दिया था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सामूहिक त्यागपत्र दे दिया था। सावरकर ने हिंदू महासभा की अगुवाई में सरकार बनाने के लिए गठबंधन किया। इस घटना के बाद देश में महात्मा गांधी की अगुवाई में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत हुई। सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या के लिए एक साजिश कर्ता के रूप में उन्हें आरोपित किया गया। इस पर अदालत में मुकदमा भी चला लेकिन सबूत की अभाव में अदालत से उन्हें बरी कर दिया। सावरकर भारत के गौरव हिंदुओं के लिए गर्व का विषय हैं। सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक में 28 में 1883 को हुआ था। सावरकर होना आसान काम नहीं है। हम हिंदुत्व के प्रणेता को जन्म दिवस पर नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी विचारधारा पर चलने पर भारत गौरवान्वित होगा।

खेती-किसानी : फायदे का सौदा बनने की राह पर

संजीव मिश्र

उत्तम खेती मध्यम बान, निषिध चाकरी भीख निदान अर्थात खेती सबसे अच्छा काम है, व्यापार मध्यम है, नौकरी निषिद्ध है और भीख मांगना सबसे बुरा काम है।जनकवि घाघ ने जब यह दोहा लिखा होगा उस समय खेती-किसानी न सिर्फ सम्मानजनक पेशा था, बल्कि किसान सबसे ज्यादा खुशहाल था। लेकिन आजादी के बाद कृषि क्षेत्र की उपेक्षा के चलते हालात इस कदर बिगड़ गए कि कृषि न केवल घाटे का सौदा बन गई, बल्कि किसान आत्महत्या करने को विवश हुआ। अब जलवायु परिवर्तन के चलते हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

अध्ययनों की मानें तो अकेले भारत में 2050 तक वष्रा-आधारित चावल की पैदावार 20 प्रतिशत और 2080 में 47 प्रतिशत तक की कमी की आशंका है। जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित संयुक्त राष्ट्र के अंतरसरकारी पैनल की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दो दशकों में वैंकि तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी अधिक की बढ़ोतरी होगी जिसका असर पानी की उपलब्धता से लेकर कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। भारत सरीखे देशों को तो ग्लोबल वार्मिंग से उपजी परिस्थितियां खास परेशान करेंगी क्योंकि भूजल का 89 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र ही उपयोग करता है। इसलिए तापमान बढ़ने से भारत जैसे देशों में खेती पर दूरगामी असर पड़ेंगे। भारत में दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी रहती है, मगर कुल वैंकि जल संसाधनों का 4 प्रतिशत ही उपलब्ध है। बावजूद इसके आजादी के बाद दशकों तक सरकारों द्वारा कोई ठोस प्रयास नहीं किया जाना समझ से परे है।

दरअसल, सरकारों के लिए किसान राजनीतिक मोहरा रहे जिन पर राजनीति तो खूब हुई लेकिन उनकी स्थिति सुधारने, आमदनी बढ़ाने, खेती को घाटे से फायदे का सौदा बनाने के प्रति गंभीर प्रयास नहीं किए गए। यही वजह है कि किसानों की स्थिति में सकारात्मक सुधार नहीं हुए। इस लिहाज से पिछला दशक भविष्य के प्रति आस्त करता है। 2014 में सरकार बनने के बाद से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय बढ़ाने के साथ टिकाऊ खेती की योजना बनाई। 2016 में सरकार ने कृषि आय को दोगुना करने के तरीकों का सुझाव देने के लिए गठित समिति की सिफारिशों पर तेजी से अमल किया जिसमें सबसे अहम है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना। दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम माने जाने वाली इस योजना में देश के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2.61 लाख करोड़ रु पये से अधिक का लाभ मिला है।

सरकार किसानों को कई तरह की सब्सिडी भी दे रही है। फर्टलाइजर सब्सिडी का बजट ही प्रति वर्ष 2 लाख करोड़ रु पये से अधिक है। सरकार टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के प्रति भी सजग है। एक राष्ट्र-एक फर्टलाइजर जैसी पहल, नीम और सल्फर कोटेड यूरिया इस दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। सरकार अब पर ड्राप, मोर क्रॉप का लक्ष्य, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी सूक्ष्म सिंचाई टेक्नोलॉजी को अमल लाकर जल उपयोग दक्षता को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए एक सूक्ष्म सिंचाई कोष की स्थापना भी की गई है जिसके लिए राज्यों को 18,000 करोड़ से अधिक की केंद्रीय सहायता जारी की गई है। सरकार कृषि में व्यापक बिजली खपत के लिए सौर ऊर्जा का विकल्प भी दे रही है।

समय अब परंपरागत खेती की जगह अत्याधुनिक संसाधनों से खेती का है। खुद प्रधानमंत्री भी अक्सर इनोवेटर्स और रिसर्चर्स से आग्रह करते हैं कि प्रति इंच जमीन पर ह्यअधिकाधिक फसलह्न के बारे में सोचें। कृषि आय बढ़ाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को बजट से आंका जा सकता है। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के बजट को 4.35 गुना बढ़ाकर 2013-14 के 30,223 करोड़ से 2023-24 में 1.3 लाख करोड़ रु पये से अधिक किया गया है। सरकार भी प्रत्येक किसान को किसी न किसी रूप में औसतन 50,000 रु पये प्रदान कर रही है।

इन सबके सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। एनएसएसओ के हालिया सिचुएशन असेसमेंट सर्वे (2018-19) के अनुसार, मासिक कृषि घरेलू आय 2012-13 में 6,426 से बढ़कर 2018-19 में 10,218 रु पये हो गई। दरअसल, मोदी सरकार ने ह्यसहकार से समृद्धिह्न के स्वप्न को साकार करने हेतु एफपीओ के गठन का निर्णय लिया था। आज एफपीओ किसानों की उन्नति के पर्याय बन गए हैं। अकेले समुन्नति संस्था 6500 से अधिक एफपीओ के साथ मिल कर 8 लाख से अधिक किसानों के जीवन में बदलाव लाई है। समुन्नति के माध्यम से सकल लेन देन का आंकड़ा 22,000 करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। सरकार को इन संस्थाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ खेती फायदे का सौदा साबित हो सके।

फूड टेक्नोलॉजी में भरपूर अवसर

भारत में करीब 30 करोड़ की आबादी प्रोसेस्ड और डिब्बाबंद खाद्य-पदार्थों का इस्तेमाल करती है। इतना ही नहीं, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फल और सब्जी उत्पादक देश है। प्रोसेस्ड फूड तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां दुनियाभर से जब भारत का रुख कर रही हैं। ऐसे में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य कितना सुनहरा है इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है।

क्वालिफिकेशन

फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 102 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री आवश्यक है।

किस तरह के कोर्स

-बीएससी इन फूड टेक्नोलॉजी (3 वर्ष)
-बीएससी इन फूड न्यूट्रीशियन ऐंड प्रिजरवेशन (3 वर्ष)
-बीटेक इन फूड इंजीनियरिंग (4 वर्ष)
-एमएससी इन फूड टेक्नोलॉजी (2वर्ष)।

किस तरह की होती है पढाई

फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के उचित रख-रखाव से लेकर पैकेजिंग, फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन, फल, मांस, वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती हैं।

पर्सनल स्किल

फूड टेक्नोलॉजिस्ट को साइंटिफिक सोच वाला होना जरूरी है। उसे टेक्नोलॉजी डेवलॅपमेंट, हेल्थ व न्यूट्रीशन में रुचि होनी चाहिए। इसके साथ ही जिम्मेदारी व टीम के साथ काम करना भी आवश्यक है। उसमें अच्छी कम्युनिकेशन स्किल भी होनी चाहिए।

वर्क प्रोफाइल

विकसित देशों की तुलना में भारत में फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग उद्योग तुलनात्मक रूप से पिछड़ा हुआ है। यूं तो हमारे देश में फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग उद्योग सदियों पुराना है। प्राचीनकाल से ही महिलाएं घरों में अचार-मुरब्बा, अमचूर आदि का निर्माण करती रही हैं, परंतु यह अभी भी कुटीर उद्योग ही है। परंतु अब धीरे-धीरे विश्व के साथ कदमताल करते हुए आधुनिक तकनीक वाली फूड टेक्नोलॉजी एवं प्रोसेसिंग इकाइयां हमारे देश में लगाई जा रही हैं। इन इकाइयों से उत्पादित उत्पादों की गुणवत्ता विश्व कोटि की होती है। फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं, जिनसे खाने वाली चीजों की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप बरकरार रह सके। जैसे- मक्खन, सॉफ्ट ड्रिंक, जेम व जेली, फ्रूट जूस, बिस्कुट, आइसक्रीम आदि। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है।

कहां मिलेगी नौकरी

कृषि पर आधारित फूड टेक्नोलॉजी (खाद्य प्रौद्योगिकी) के क्षेत्र में करियर की काफी अच्छी संभावनाएं हैं। एक अनुमान के मुताबिक, इस क्षेत्र में प्रतिवर्ष लगभग ढ़ाई लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। फूड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर बहुत बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री की प्रोसेसिंग कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है तथा बेहतर गुणवत्ता और पोषक तत्वों से युक्त भोज्य सामग्री बाजार में उपभोग हेतु उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि होगी। फूड टेक्नोलॉजिस्टों के लिए विभिन्न संगठनों में रोजगार अच्छा मौका है। इनमें सरकारी, सहकारी तथा विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं। फूड टेक्नोलॉजिस्ट प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट, मैनेजर, रिसर्चर, क्वालिटी एश्योर मैनेजर, लेबोरेट्री सुपरवाइजर, फूड पैकिंग मैनेजर, फूड प्रोसेसिंग टेक्नीशियन, बीआईएस-एग्मार्क इंस्पेक्ट, खाद्य इंस्पेक्टर आदि के रूप में भी नियुक्ति होती है। फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स पूरा कर लेने के बाद फूड इंडस्ट्री, होटलों, अस्पतालों, पैकेजिंग इंडस्ट्री, सॉफ्ट ड्रिंक फैक्टरी, राइस मिल आदि में नौकरी प्राप्त की जा सकती है। आप फूड टेक्नोलॉजी कोर्स करके स्वरोजगार भी कर सकते हैं। इसके अलावा तकनीकी संस्थाओं में शिक्षक या प्रशिक्षक के पद पर भी कार्य कर सकते हैं।

भविष्य में हैं ढेरों संभावनाएं

कैबिनेट ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की लगभग 30 करोड आबादी संशोधित व डिब्बाबंद खाद्य-पदार्थ इस्तेमाल करती है। वैसे भी भारत फल और सब्जियां पैदा करने वाला विश्व का दूसरा सबसे बडा देश है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में डिब्बा बंद खाद्य-पदार्थों का कारोबार 30 से 35 अरब रुपये वार्षिक है। यही कारण है कि यह क्षेत्र मल्टीनेशनल कंपनियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसी आकर्षण के कारण कई मल्टीनेशनल कंपनियां जैसे मैक्डोनॉल्ड, पेप्सी, कोका कोला व हिन्दुस्तान लीवर अपना कारोबार भारत में बढाती जा रही है।

सैलॅरी पैकेज

इस क्षेत्र में शुरुआती स्तर पर आप 8 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जुडते हैं, तो आपकी कमाई और बढ सकती है।

इंस्टीट्यूट वॉच....

-यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली
-इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, मैदानगढी, दिल्ली
-जी.बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर ऐंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर, उत्तराखंड
-बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी, उत्तर प्रदेश
-कानपुर यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
-कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
-महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना, मध्यप्रदेश
-गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब
-मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई
-नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपुर
-सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट, मैसूर
-बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, बिहार

उड़ने का सपना साकार करना है तो बनाएं एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में कॅरियर

एविएशन इंडस्ट्री इन दिनों उफान पर है। जिसके चलते इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं। वैसे, इन दिनों भारतीय एविएशन कंपनियों के साथ-साथ विदेशी एविएशन कंपनियां भी तेजी से पांव पसारने लगी हैं। ऐसे में विमानों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए एयरोनॉटिकल इंजीनियरों की मांग भी बढ़ रही है। एयर इंडिया, इंडिगो, इंडियन एयरलाइंस, स्पाइस जेट, ब्लू डार्ट और एशिया एविएशन जैसे एयरलाइंस के अलावा, सरकारी उड्डयन विभागों में इनके लिए ढेरों अवसर हैं। पीसीएम से 12वीं पास करने वाले छात्र के लिए एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं।

क्या है एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग?

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग एक ऐसा फील्ड है, जिसमें एयरोनॉटिक्स और स्पेस साइंस दोनों का अध्ययन किया जाता है। चुनौतियों से भरपूर इस क्षेत्र में काम करते हुए आपको एविएशन, अंतरिक्ष और रक्षा से संबंधित अनुसंधान और नई टेक्नोलॉजी के विकास का अवसर मिलता है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर के रूप में आप निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं, जैसे- स्ट्रक्चरल डिजाइन, नेविगेशनल गाइडेंस ऐंड कंट्रोल सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन ऐंड कम्युनिकेशन या प्रोडक्शन मेथॅड, मिलिट्री एयर क्राफ्ट, पैसेंजर प्लेन, हेलीकॉप्टर, सेटेलाइट, रॉकेट इत्यादि।

योग्यता और कोर्स

एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए आपके पास बीई/बीटेक (एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) अथवा कम से कम एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा होना चाहिए। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटी द्वारा एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री करवाई जाती है, जबकि कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स विषयों के साथ बारहवीं या उसके समकक्ष परीक्षा पास करने वाला कोई भी व्यक्ति बीई/बीटेक में प्रवेश प्राप्त कर सकता है। यदि आईआईटी में प्रवेश लेना चाहते हैं, तो आपको आईआईटी-जेईई परीक्षा पास करनी होगी। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (PHD) भी कराते हैं।

व्यक्तिगत योग्यता

एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए आपके पास तीक्ष्ण प्रेक्षण दृष्टि और समस्याओं को आसानी से सुलझाने की कला होनी चाहिए। इस काम के लिए मेनुअल, टेक्नीकल व मैकेनिकल रुझान होना जरूरी है। आपके पास बेहतर तार्किक क्षमता, संप्रेषण योग्यता और कंप्यूटर पर तेजी से काम करने की क्षमता होनी चाहिए। इन्हें दबाव में भी काम करना आना चाहिए। एक एयरोनॉटिकल इंजीनियर से यह अपेक्षा की जाती है कि वह वह शारीरिक रूप से फिट हो तथा खासकर विमान पर यात्रियों या माल के चढ़ने-उतरने के दौरान तेजी से विमान की जांच व मरम्मत का काम संभाल सके। उनकी आंखों की दृष्टि भी ठीक होनी चाहिए और वर्ण्णाधता किस्म का कोई दोष नहीं होना चाहिए।

प्रवेश का आधार

ग्रेजुएट कोर्सो (बीई/बीटेक) में प्रवेश मेरिट के आधार पर होता है। आईआईटी में प्रवेश के लिए बारहवीं कक्षा (PCM) में प्राप्त अंक एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट बनाई जाती है। अन्य संस्थान अपनी अलग प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर (जैसे-एआईईईई) पर अन्य प्रवेश परीक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं। अधिकतर संस्थान जेईई में प्राप्त स्कोर के आधार पर ही छात्रों को प्रवेश देते हैं। इसके अलावा डिस्टेंस लर्निंग से इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के इच्छुक डिप्लोमा होल्डर्स या वर्किंग व्यक्तियों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स द्वारा असोसिएट मेंबरशिप ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स नामक परीक्षा का आयोजन किया जाता है। यह परीक्षा एयरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (एएसआई) द्वारा आयोजित की जाती है।

कोर्स की अवधि

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है।

विदेश में शिक्षा

अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों में भी एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में अंडरग्रेजुएट लेवॅल कोर्स कराया जाता है। इन संस्थानों में अरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, एम्ब्री-रिडल एयरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यहां एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का कोर्स भी कराया जाता है। अंडरग्रेजुएट लेवॅल पर एडमिशन लेने के इच्छुक छात्रों को एसएटी (सैट) और टीओईएफएल (टॉफेल) पास करना आवश्यक है, जबकि ग्रेजुएट लेवॅल पर एडमिशन लेने के लिए आपको जीआरई या टॉफेल उत्तीर्ण करना होगा।

रोजगार के अवसर

आज दक्ष एयरोनॉटिकल इंजीनियरों की सरकारी व निजी एयरलाइन कंपनियों, विमान निर्माता कंपनियों और इसके रखरखाव की सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियों में समान रूप से जबरदस्त मांग है। ये रक्षा अनुसंधान व विकास संबंधी संस्थानों, नेशनल एयरोनॉटिकल प्रयोगशालाओं, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट संस्थापनाओं, नागरिक उड्डयन विभाग, प्रतिरक्षा सेवाओं और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में भी रोजगार पा सकते हैं। इस विधा के इंजीनियर्स विमान के डिजाइन, विकास और रखरखाव संबंधी क्षेत्रों में काम कर सकते हैं, वहीं इससे जुड़े प्रोफेशनल्स विभिन्न संस्थानों में प्रबंधकीय व शिक्षण के पदों पर भी काम कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

इस क्षेत्र में सैलरी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। सरकारी या पब्लिक सेक्टर मसलन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेट्रीज (एनएएल) में आपका शुरुआती वेतन 8,000 से 10,000 रुपये मासिक तक हो सकता है (भत्तों को छोड़कर)। प्राइवेट सेक्टर में आपके वेतन का निर्धारण मैनेजमेंट द्वारा किया जाता है, जो अमूमन 8,000 से 15,000 रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है। इसके अलावा, आपको कुछ भत्ते व अन्य सुविधाएं भी मिल सकती हैं। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स जिनके पास मैनेजमेंट की डिग्री भी है, उन्हें शुरुआती स्तर से 10,000 से 40,000 रुपए मासिक वेतन व अन्य लाभ तथा सुविधाएं मिल सकती हैं। विदेशों में भी आपके लिए कई मौके हैं। अमेरिका के नासा जैसे संस्थान में यदि आपको नौकरी मिलती है, तो वहां आपका शुरुआती वेतन 1,00,000 से 1,50,000 डॉलर तक हो सकता है।

इंस्टीट्यूट वॉच...

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस, बेंगलुरु
-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, देहरादून।
-आईआईटी (खडगपुर, मुंबई, कानपुर, चेन्नई)।
-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिकल साइंस, नई दिल्ली।
-भारत इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स, पटना एयरपोर्ट, पटना।
-एकेडमी ऑफ एरोस्पेस ऐंड एविएशन, इंदौर।
-पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़।

12वीं के बाद चाहते हैं शानदार करियर?

इन फील्ड्स में हैं बेशुमार मौके, मिलेगी लाखों में सैलरी

12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे घोषित होने शुरू हो गए हैं। जल्द ही सभी राज्यों की बोर्ड परीक्षाओं के 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। ऐसे में जो युवा 12वीं की परीक्षा पास कर चुके हैं या करेंगे। उनके सामने करियर को लेकर काफी उलझन की स्थिति होगी कि वह किस क्षेत्र में अपना करियर बनाएं, जहां उन्हें वेतन भी अच्छा मिले और ग्रोथ के भी भरपूर मौके रहें। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे क्षेत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप 12वीं के बाद कोर्स कर सकते हैं और शानदार करियर बना सकते हैं-

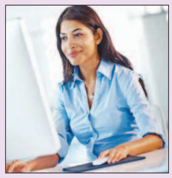

लॉजिस्टिक का क्षेत्र : आज के दौर में लॉजिस्टिक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और तकनीक के इस दौर में इस क्षेत्र में काफी ग्रोथ के चांस हैं। खासकर कोरोना के बाद जहां लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। ऐसे में सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए लॉजिस्टिक के क्षेत्र पर लोगों की निर्भरता बढ़ी है। ई-कॉमर्स कंपनियों के विस्तार के साथ ही लॉजिस्टिक के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं पैदा होंगी। ऐसे में अगर आपने अभी तक अपने करियर के बारे में नहीं सोचा है तो लॉजिस्टिक का फील्ड में करियर बनाना समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए युवा 12वीं के बाद लॉजिस्टिक्स में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। साथ ही बीबीए या एमबीए करने का भी विकल्प है। आप अपने रुझान के अनुसार, बिजनेस लॉजिस्टिक, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, शिपिंग एंड ट्रांसपोर्टेशन मैनेजमेंट आदि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

फॉरेन लैंग्वेज का क्षेत्र : ग्लोबलाइजेशन के दौर में विदेशी भाषाओं को क्षेत्र में अपार संभावनाएं बनी हैं। कंपनियां दुनियाभर में बिजनेस करती हैं, ऐसे में उन्हें कम्यूनिकेशन के लिए ऐसे पेशवरों की जरूरत है, जो विदेशी ग्राहकों या कंपनियों से कम्यूनिकेट कर सकें. बीपीओ और कॉल सेंटर्स में भी विदेशी भाषा जानने वाले लोगों की अच्छी खासी डिमांड है. खास बात ये है कि इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं को अच्छी सैलरी भी मिलती है। फॉरेन लैंग्वेज सीखने के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद विदेशी भाषाओं के डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिला लिया जा सकता है। फॉरेन लैंग्वेज सीखने के लिए स्कूल ऑफ लैंग्वेज, जेएनयू यूनिवर्सिटी, डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली, बीएचयू, वाराणसी आदि संस्थानों में एडमिशन लिया जा सकता है।

वीडियो एडिटिंग का क्षेत्र : इंसान को अपने जीवन में मनोरंजन जरूर चाहिए. यही वजह है कि मीडिया और एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। क्रिएटिव लोगों के लिए इस क्षेत्र में काफी मौके हैं. मीडिया के क्षेत्र में वीडियो एडिटिंग भी एक शानदार विकल्प है। सोशल मीडिया के आगमन के बाद वीडियो एडिटर्स की डिमांड और भी ज्यादा बढ़ी है और भविष्य में भी रहेगी। वीडियो एडिटर बनने के इच्छुक युवा 12वीं के बाद वीडियो एडिटिंग का सर्टिफिकेट, डिग्री या डिप्लोमा कर सकते हैं। डिग्री कोर्स करने के लिए स्नातक होना जरूरी है। क्रिएटिव लोग इस क्षेत्र में खासे सफल हो सकते हैं।

यदि आप जानवरों से करते हैं प्यार तो बनें एनिमल ट्रेनर

जो लोग एनिमल लवर होते हैं, वह अगर चाहें तो वह ऐसा कार्यक्षेत्र चुन सकते हैं, जिनमें उनका लगभग सारा समय जानवरों के साथ ही बीते। ऐसा ही एक क्षेत्र है एनिमल ट्रेनिंग। एनिमल ट्रेनिंग वास्तव में काफी रोमांचक क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति सिर्फ जानवरों को ही काफी कुछ नहीं सिखाता, बल्कि उनसे भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि एनिमल ट्रेनिंग में किस तरह बनाएं कॅरियर

क्या होता है काम : एक एनिमल ट्रेनर का काम काफी चैलेंजिंग व कठिन होता है, जो विभिन्न तरह की तकनीकों को अपनाकर जानवरों को ट्रेन करते हैं। वे जानवरों को किसी विशेष कमांड व स्थितयिों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। साथ ही वह जानवरों को सिक्योरिटी, एंटरटेनमेंट, रेसिंग व दूसरों की मदद के लिए प्रशिक्षित करते हैं। आमतौर पर, एनिमल ट्रेनर कई तरह के ट्रेनर होते हैं, जैसे- पालतू जानवर ट्रेनर, सर्विस एनिमल ट्रेनर, मैरिन मैमेल ट्रेनर, एक्सोटिक एनिमल ट्रेनर, घोड़ा प्रशिक्षक आदि।

योग्यता : एनिमल ट्रेनर बनने के लिए कोई औपचारिक शैक्षिक योग्यता आवश्यक नहीं है, लेकिन व्यक्ति को कम से कम 12वीं पास या कम से कम हाई स्कूल का प्रमाण पत्र होना चाहिए। इसके अलावा समुद्री स्तनधारी ट्रेनर बनने के लिए व्यक्ति को जूलॉजी, जीव विज्ञान, समुद्री जीव विज्ञान, पशु विज्ञान या मनोविज्ञान में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। स्नातक के बाद, आप एनिमल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट प्राप्त करके इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं।

व्यक्तिगल विशेषता : इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को जानवरों से प्यार करना, अपने काम के प्रति जुनून व धैर्य होना बेहद जरूरी है। उन्हें जानवरों को अच्छी तरह हैंडल करना, उन्हें अच्छी तरह पालना व उनका सम्मान करना चाहिए। चूंकि जानवर मुंह से बोलकर अपनी बात नहीं बता सकते, इसलिए एनिमल ट्रेनर के पास अच्छे शिक्षण कौशल होने चाहिए। साथ ही उन्हें जानवरों की गतिविधि व मनोदशा में समझने में सक्षम होना चाहिए। इसी तरह, समुद्री जानवरों के प्रशिक्षण से जुड़े लोगों को तैराकी और डाइविंग तकनीक से परिचित होना चाहिए। इन सब के अलावा उनमें शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति अच्छी होनी चाहिए।

कॅरियर विकल्प : एनिमल ट्रेनर पुलिस फोर्स, एनिमल शेल्टर, चिड़ियाघर, अस्तबल, एक्वेरियम, प्राणी उद्यान, घुड़सवारी क्लब, हॉर्स फार्म, हॉर्स राइडिंग क्लब आदि में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा, आप पशु चिकित्सा अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, पालतू जानवर के स्टोर व रिसर्च फैसिलिटी में भी काम कर सकते हैं। वहीं कुछ एनिमल ट्रेनर फीचर फिल्मों या विज्ञापनों के लिए जानवरों के साथ काम करते हैं।

आमदनी : एक एनिमल ट्रेनर का पारिश्रमिक स्थान व पशु के आकार के अनुसार भिन्न होता है। एक डॉग ट्रेनर की तुलना में एक घोड़ा ट्रेनर को बहुत अलग पैमाने पर भुगतान किया जाता है। आप अपने कॅरियर की शुरूआत 10000 रूपए मासिक वेतन से कर सकते हैं। इसके बाद आपके कौशल व अनुभव के आधार पर आपकी आमदनी बढ़ती जाती है। एक अनुभवी व्यक्ति अपने काम के लिए घंटों के अनुसार भी चार्ज कर सकता है।

दक्षिण अफ्रीका ने एसबीआई पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के बैंकिंग नियामक ने देश के प्रमुख बैंक एसबीआई की एक शाखा पर करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया है। इसकी जानकारी खुद एसबीआई ने शेयर बाजारों को दी है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों को नियामक फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई सेंट्रल बैंक ऑफ साउथ अफ्रीका के प्रूडेंशियल अथॉरिटी और बैंकिंग नियामक दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक द्वारा की गई है। कार्रवाई के तहत अफ्रीकन सेंट्रल बैंक ने एसबीआई पर 10 मिलियन रैंड का जुर्माना लगाया है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 4.5 करोड़ रुपये है। एसबीआई पर लगाया गया जुर्माना दो हिस्सों में है, उनसे आधी से कुछ अधिक रकम (5.50 मिलियन रैंड) तुरंत चुकाने को कहा गया। एसबीआई का कहना है कि उसने इसका भुगतान अपनी एक दक्षिण अफ्रीकी शाखा के जरिए किया है। 4.5 मिलियन रैंड का शेष भुगतान 36 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है, भुगतान दी गई अवधि के भीतर अनुपालन पर निर्भर है। एसबीआई का कहना है कि दक्षिण अफ्रीकी सेंट्रल बैंक द्वारा की गई यह कार्रवाई कुछ नियमों के अनुपालन से संबंधित है। सेंट्रल बैंक ने यह कार्रवाई दक्षिण अफ्रीका के एफआईसी एक्ट के तहत फाइनेंस इंटेलिजेंस सेंटर एक्ट के कुछ प्रावधानों और संबंधित आदेशों और निर्देशों का पालन न करने के कारण की है। एसबीआई ने अनुपालन और कार्रवाई के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

एनटीपीसी ने अखिलेश को बनाया बोंगाईगांव इकाई का प्रमुख

गुवाहाटी । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने अखिलेश सिंह को असम में अपने बोंगाईगांव संयंत्र की व्यापार इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। एनटीपीसी ने कहा कि सिंह पहले छत्तीसगढ़ में कंपनी की 1,600 मेगावाट की लारा इकाई का नेतृत्व कर रहे थे। सिंह ने केसी. मुरलीधरन का स्थान लिया है। मुरलीधरन को एनटीपीसी दादरी में परियोजना प्रमुख के रूप में स्थानांतरित किया गया है। सिंह ने सोमवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। भागलपुर विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री लेने के बाद सिंह 1993 में एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में एनटीपीसी में शामिल हुए थे। अपने नए प्रभार के तहत सिंह असम में एनटीपीसी बोंगाईगांव में सभी गतिविधियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार होंगे। एनटीपीसी बोंगाईगांव की उत्पादन क्षमता 750 मेगावाट है।

जिप इलेक्ट्रिक ने ईएनईओएस से जुटाए 1.5 करोड़ डॉलर

मुंबई । जिप इलेक्ट्रिक ने जापान की कंपनी ईएनईओएस से सीरीज सी फंडिंग के तहत 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। यह पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण चक्र का हिस्सा है। इसमें चार करोड़ अमेरिकी डॉलर इक्विटी निवेश, जबकि बाकी एक करोड़ अमेरिकी डॉलर कर्ज है। सीरीज सी वित्त पोषण चक्र में मौजूदा निवेशकों यूनिकॉर्न्स, आईएएन फंड, उद्यम उत्प्रेरक, डब्ल्यूएफसी और अन्य ने भी हिस्सा लिया।बयान में कहा गया इस राशि का इस्तेमाल जिप के बेड़े को 21,000 से दो लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर तक विस्तारित करने और 2026 तक भारत के 15 शहरों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने के लिए किया जाएगा। जिप इलेक्ट्रिक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ताजा निवेश जिप को टिकाऊ ईवी समाधानों के साथ अंतिम छोर तक 'डिलीवरी' करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने बेड़े का विस्तार करने और अपने प्रौद्योगिकी मंच को बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

भारत पे, फोन पे पर चल रहे सभी ट्रेडमार्क विवाद सुलझे

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों भारतपे ग्रुप और फोनपे समूह ने प्रत्यय 'पे' के साथ ट्रेडमार्क के उपयोग से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे सभी कानूनी विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया है। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार भारतपे और फोनपे पिछले 5 वर्षों के दौरान कई अदालतों में लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों में रही हैं। यह समझौता सभी खुली न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर देगा। बयान में कहा गया कि भारतपे और फोनपे ने लंबे समय से चले आ रहे सभी ट्रेडमार्क विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया। बयान के अनुसार अगले कदम के रूप में पार्टियों ने ट्रेडमार्क रजिस्ट्री में एक-दूसरे के खिलाफ सभी विरोधों को वापस लेने के लिए पहले ही कदम उठा लिया है, जिससे उन्हें अपने संबंधित ट्रेडमार्क के पंजीकरण के साथ बढ़ने में मदद मिलेगी।

पोको पेड ग्लोबली लॉन्च, कीमत है लगभग 27,400 रुपये

नई दिल्ली।

दो आकर्षक कलर में पोको पेड ग्लोबली लॉन्च कर दिया गया है। इसकी कीमत लगभग 27,400 रुपये है। अर्ली बर्ड ऑफर के तहत इसे 299 डॉलर यानी लगभग 24,900 रुपये में खरीदा जा सकता है। यह ब्लू और ग्रे कलर में लाया गया है। यह एक स्टोरेज वेरिएंट 8जीबी प्लस 256जीबी में लाया गया है। डिस्प्ले- पोको पेड में 12.1-इंच 2.5के (2,560 गुणा 1,600 पिक्सल) एलसीडी स्क्रीन है, जिसमें 120एचझेड एडेप्टिव रिफ्रेश रेट, 240 एचझेड टच सैंपलिंग रेट, 600 नीटस पीक ब्राइटनेस लेवल, 16:10 आस्पेक्ट रेशियो के साथ-साथ टीयूवी रीनलैंड लो ब्लू लाइट प्रमाणीकरण है। कैमरा- इस पोको पैड में पीछे और सामने 8-मेगापिक्सल का सेंसर है। इसमें डॉल्बी एटमॉस-के साथ क्वाड स्पीकर मिलते हैं, जो यूजर्स को सिनेमैटिक लेबल पर ऑडियो क्वालिटी देता हैं। बैटरी- इसमें 10,000

एमएएच की बैटरी है, जो यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और 33वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।इसमें कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 3 सुरक्षा मिलती है। प्रोसेसर- इसमें 4एनएम ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 प्रोसेसर है, जो क्वालकॉम एड्रेनो जीपीयू, 8जीबी एलपीडीडीआर4गुणा रैम और 256 जीबी यूएफएस 2.2 ऑनबोर्ड स्टोरेज के साथ जोड़ा है।

फैशन ब्रांड ने निवेशकों से जुटाए 50 करोड़

मुंबई ।

फैशन ब्रांड इंडिया के विनिर्माता हाई स्ट्रीट एसेंशियल्स ने जेएसडब्ल्यू समूह और अन्य निवेशकों से 50 करोड़ रुपये जुटाने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वित्त पोषण का तीन-चौथाई हिस्सा अल्पमत हिस्सेदारी के लिए इक्विटी निवेश है, जबकि बाकी कर्ज है। अे धिकारी ने कहा कि इंडिया भविष्य में विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में जेएसडब्ल्यू की विशेषज्ञता से लाभ उठा सकती है। इंडिया की स्थापना 2012 में की गई थी। वर्तमान में इसके आठ शहरों में 12 विशिष्ट ब्रांड आउटलेट और 150 बड़े खुदरा आउटलेट हैं। बयान के अनुसार इस साल अप्रैल में इसका परिचालन लाभ में आया। यह व्यवसाय विस्तार के लिए जुटाए गए धन का उपयोग करेगी। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की योजना 30 लाख डॉलर तक निवेश करने की है।

एनएसई ने 250 रुपए से कम वाले शेयरों के लिए टिकट साइज घटाया

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की ओर से 250 रुपये से कम वाले शेयरों का टिकट साइज एक पैसा किया गया है। हाल ही में एनएसई द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में ये जानकारी दी गई है। बता दें कि मौजूदा समय में शेयर में कम से कम 5 पैसे का टिकट साइज है। टिकट साइज कम होने का सीधा फायदा निवेशकों को मिलेगा। ये बदलाव 10 जून से लागू होगा। टिकट साइज एक अंतर होता है जो कि शेयर बिक्री करने वाले और शेयर खरीदने वाले के दाम के बीच होता है। ऐसे में टिकट साइज घटने से प्राइस की बेहतर डिस्कवरी हो पाएगी और खरीदारी एवं बिक्री करने वाले दोनों को सही कीमत मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर कोई व्यक्ति 199.98 रुपये पर शेयर बेचना चाहता है तो आज ही स्थिति में 199.98 पर नहीं, बल्कि 199.95 या 200 रुपये पर सौदा हो पाएगा। ऐसे में टिकट साइज घटने से सौदा 199.98 पर ही हो सकेगा। सर्कुलर में दी गई जानकारी के मुताबिक, टिकट साइज 5 पैसे से घटाकर एक पैसा किया जा रहा रहा है। ये टी प्लस 1 सेटलमेंट के साथ टी प्लस जीरो सेटलमेंट में भी लागू होगा। एक्सचेंज की ओर से बताया गया कि टिकट साइज को आखिरी कारोबार सत्र में शेयर की कीमत के मुताबिक मासिक आधार पर रिव्यू और एडजस्ट किया जाएगा। सर्कुलर में आगे कहा गया कि 8 जुलाई से स्टॉक फ्यूचर्स में भी समान टिकट साइज सिस्टम लागू हो जाएगा। इसमें बदलाव एक्सपायरी के समय किया जाएगा।

मुनाफावसूली से बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 19.89 अंक , निफ्टी 24.65 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छी संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 76,009.68 अंक के स्तर तक जाने के बाद अंत में 0.03 फीसदी करीब 19.89 अंक नीचे आकर 75,390.50 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 0.11 फीसदी तकरीबन 24.65 अंक टूटकर 22,932.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में विप्रो , एनटीपीसी, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रुप से लाभ में रहे। निवेशकों की अंतिम समय में मुनाफावसूली से सेंसेक्स दिन के शीर्ष स्तर से नीचे लुढ़क गया। इस दौरान सेंसेक्स 835 अंक गिरकर 75,175.27 के निचले स्तर पर आ गया। वहीं आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट की वजह से भी बाजार नीचे आया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब एक फीसदी की गिरावट आई, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स नीचे आ गये। इसके अलावा एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी आईटीसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार की बढ़त कम हुई है। वहीं इससे पहले आज सेंसेक्स इंट्रा-डे सत्र में पहली बार 76,000 के स्तर तक पहुंचा। इसके अलावा निफ्टी भी शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स ऊपर आये। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.35 फीसदी बढ़कर 75,671.07 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 0.31 फीसदी उछलकर 23,027.40 के स्तर पर कारोबार करते देखा गया। बीएसई पर, टाटा स्टील, भारती एयरटेल लाभ में रहें जबकि विप्रो, मारुति टॉप लूजर्स में रहें। इसी तरह एनएसई पर,` डिविस लैब के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर नीचे आये। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 52,811.65 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस बीच निफ्टी स्मॉलकैप करीब 1 फीसदी बढ़कर 17,049.50 के स्तर पर पहुंच गया।

सरकार ने कहा- दूरसंचार कंपनियां अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल पर प्रतिबंध लगाएं

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने कहा कि जानकारी` मिली है कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर अंतराष्ट्रीय फर्जी कॉल कर रहे हैं और साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं। बयान के अनुसार प्रतीत होता है कि ऐसी कॉलें भारत के भीतर से उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन विदेशों से साइबर अपराधियों द्वारा कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में हेरफेर करके की जा रही हैं और फर्जी डिजिटल गिरफ्तारियों, फेडएक्स घोटाले, ड्रग्स या कूरियर में नशीले पदार्थों, सरकारी और पुलिस अधिकारी बनकर बात करने, डीओटी या ट्राई अधिकारी बनकर मोबाइल नंबरों को बंद करना, आदि जैसे हाल के मामलों में इसका दुरुपयोग किया गया है। बयान के अनुसार डीओटी और टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय

फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें किसी भी भारतीय टेलीकॉम ग्राहक तक पहुंचने से रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है। अब ऐसी आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को रोकने के लिए टीएसपी को निर्देश जारी किए गए हैं।

दूरसंचार विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार भारतीय लैंडलाइन नंबरों के साथ आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को टीएसपी द्वारा पहले से ही ब्लॉक किया जा रहा है।

मेघा इंजीनियरिंग बेचेगी अपना सिटी गैस कारोबार

नई दिल्ली ।

चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (एमईआईएल) अब अपने सिटी गैस कारोबार को बेचने का मन बना रही है। मेघा इंजीनियरिंग 966 करोड़ रुपये के साथ चुनाव बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार रही है। कंपनी पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे थे। कंपनी के एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मेघा सिटी गैस वितरण ने परिचालन को मजबूत करने का फैसला किया है। इसके लिए उसने इंडियन ऑयल कॉर्प, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प, भारत पेट्रोलियम कॉर्प और इंद्रप्रस्थ गैस जैसी सरकारी कंपनियों से संपर्क किया है। हालांकि इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। हालांकि मामले से जुड़े एक अधिकारी का कहना है` कि कंपनियां अभी प्रस्ताव मूल्यांकन और आंकड़ों का अध्ययन कर रही हैं। मेघा सिटी गैस की संपत्तियों का मूल्यांकन करने वाली कंपनी के एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी के मुताबिक कंपनी ने जमीनी स्तर पर बहुत ज्यादा काम नहीं किया है। उन्होंने मूल्यांकन 1000 से 2000 करोड़ रुपये के बीच आंका है। बता दें कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर एक 5 बिलियन डॉलर की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। कंपनी का कारोबार हाइड्रोकार्बन, इलेक्ट्रिक बसें, रक्षा, बिजली, परिवहन और विनिर्माण क्षेत्र में फैला हुआ है।

शाइन 100 बाइक की बिक गई तीन लाख यूनिट

-होंडा की इस बाइक के माइलेज पर लट्टू हुए लोग

नई दिल्ली ।

होंडा ने पिछले साल इंडियन मार्केट में 100सीसी इंजन वाली शाइन 100 को लॉन्च किया था। अब कंपनी ने ऐलान किया है कि इस बाइक की एक साल में 3 लाख यूनिट्स बिक गई हैं। होंडा शाइन 100 का सीधा मुकाबला हीरो स्प्लेंडर प्लस और एचएफ डीलक्स से होता है। कंपनी का कहना है कि पिछले वित्त वर्ष में 100-110 सीसी सेगमेंट की बाइक्स की डिमांड में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली है। मौजूदा समय में कंपनी देश भर में 6,000 से ज्यादा टॉचपॉइंट ऑपरेट कर रही है, जहां हर तरह की होंडा बाइक्स के लिए सेवाएं उपलब्ध हैं। होंडा ने शाइन 100 की सालगिरह को मनाने के लिए कई शहरों में मेगा डिलीवरी इवेंट का आयोजन भी किया था। शाइन 100 की बात करें तो इसमें 100 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन मिलता है। यह बाइक बेहतर माइलेज के लिए फ्यूल इंजेक्शन और होंडा ईएसपी तकनीक के साथ आती है। इसके अलावा इंजन को अपडेटेड बीएस6 आरडीई नियमों के अनुसार तैयार किया गया है। इस बाइक में फ्यूल पंप टैंक के बाहर है और यह ऑटो चोक सिस्टम के साथ आता है। यह बाइक 7.5 बीएचपी की पॉवर और 8.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। कंपनी ग्राहकों को इस बाइक के साथ 6 साल की आकर्षक वारंटी दे रही है। इसमें 3 साल की स्टैंडर्ड वारंटी के साथ 3 साल की एक्सटेंडेड वारंटी शामिल है। इस बाइक के कुछ स्टैंडर्ड फीचर्स की बात करें तो इसमें एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ, कॉम्बी ब्रेक सिस्टम , इक्वलाइजर, साइड स्टैंड इंजन कटऑफ स्विच जैसे कुछ बेसिक फीचर्स मिलते हैं। माइलेज की बात करें तो इसमें आपको 65 केएमपीएल की माइलेज आसानी

से मिल जाएगी। कंपनी ने शाइन 100 की कीमत 65,011 रुपये (एक्स-शोरूम) तय की है। बता दें कि भारतीय बाजार में कम्यूटर सेगमेंट की बाइक्स बेचने के मामले में हीरो मोटोकॉर्प का कोई मुकाबला नहीं है। हालांकि, इस सेगमेंट में होंडा भी अपने कम्यूटर बाइक्स की लाइनअप के दम पर हीरो मोटोकॉर्प को तगड़ी टक्कर दे रही है।

बंदरगाहों में पीपीपी बढ़ाकर 80 फीसदी करने का लक्ष्य

- केंद्र ने नीति आयोग को सौंपा प्रस्ताव

नई दिल्ली । बंदरगाहों में सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) की हिस्सेदारी बढ़ाकर 80 फीसदी करने के उद्देश्य से सरकार वित्त वर्ष 2024-25 में 10,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों का मुद्रीकरण करने की संभावना तलाशेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने 5 परियोजनाओं में 10,000 करोड़ रुपये के मुद्रीकरण का प्रस्ताव नीति आयोग को सौंपा है। नीति आयोग संपत्ति मुद्रीकरण के लिए सरकार की नोडल संस्था है। इस बारे में जानकारी के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय को बीते शुक्रवार को ईमेल किया गया था मगर अब तक जवाब नहीं आया। हालांकि नई चिह्नित की गई परियोजनाएं पोत परिवहन मंत्रालय की वित्त वर्ष 2025 के लिए मुद्रीकरण के लक्ष्य का एक छोटा हिस्सा है। इनमें तमिनलाडु के तूतीकोरिन वीओ चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी में 7,055 करोड़ रुपये का कंटेनर टर्मिनल शामिल है, जो 2023 से ही पाइपलाइन में है। अप्रैल में इस परियोजना के लिए अदाणी पोर्ट्स ऐंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, सिंगापुर की पीएस इंटरनेशनल, डेनमार्क की वेन ओर्ड, तेएम बख्शी और जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने दिलचस्पी दिखाई थी। परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में वियतनाम की कंपनी विनफास्ट द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण कारखाना के लिए 16,000 करोड़ रुपये के निवेश, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टनम में दूसरा स्पेसपोर्ट और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सिंगापुर की सेम्बकॉर्प के 36,238 करोड़ रुपये के मेगा निवेश से प्रेरित नए निवेशकों की रुचि को भुनाना है।

दोपहिया वाहन सेफ्टी के मामले में अब काफी बेहतर

-स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स देना पड़ता है कंपनियों को जरुरी

नई दिल्ली।

अगर आप बाइक खरीदने जा रहे हैं तो आपको इनमें मिलने वाले कुछ सेफ्टी फीचर्स के बारे में जरूर पता होना चाहिए। बाइक के सेफ्टी फीचर्स मॉडल, कीमत और वैरिएंट के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। अगर भारत की बात करें तो पिछले कुछ सालों में दोपहिया वाहनों को सेफ्टी के मामले में काफी बेहतर किया गया है। अब सबसे सस्ती बाइक और स्कूटर में भी कुछ स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स कंपनियों को अनिवार्य रूप से देना पड़ता है। कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम सबसे कम कीमत वाली बाइक में भी आते हैं। यह बाइक में एक अनिवार्य सेफ्टी फीचर है जो टायर को स्किड होने से रोकता है। इस तरह की बाइक में एक ब्रेक दबाने पर दोनों ब्रेक एक साथ काम करते हैं। इससे दोनों पहियों पर बाइक को रोकने के लिए बराबर प्रेशर पड़ता है और टायर स्किड नहीं होते। एबीएस यानी एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम अब किफायती 110 सीसी और 125सीसी बाइक्स में भी आने लगा है।

बाइक में सिंगल चैनल और डुअल चैनल एबीएस दिए जाते हैं। यह बाइक को बिना फिसले रोकने में सीबीएस से भी बेहतर काम करता है। इसके लिए बाइक में अलग से कंट्रोल सिस्टम लगाया जाता है। वैसे तो ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम महंगी बाइक्स में मिलता है, लेकिन भारतीय बाजार में यामाहा जैसे कुछ कंपनियां इसे अपनी बजट मोटरसाइकिलों में भी दे रही हैं। अक्सर गीली सड़क या फिर मिट्टी में बाइक फिसलने का ज्यादा चांस होता है, यही वजह है कि इस फीचर को बाइक्स में शामिल किया जा रहा है। ये फीचर बाइक को फिसलने से रोकने में मदद करता है, साथ ही बढ़िया हैंडलिंग और ग्रिप भी ऑफर करता है।

जीप मेरीडियन फेसलिफट हुई टेस्टिंग के दौरान स्पॉट

नई दिल्ली ।

भारत में जीप कंपनी मेरीडियन फेसलिफट लाने की तैयारी कर रही है। अपकमिंग जीप मेरीडियन फेसलिफट में नए एलईडी हेडलैंप, इनवर्टेड एल-शेप्ड एलईडी डीआरएल, रिवाइज्ड ग्रिल और सिल्वर एक्सेंट के साथ ट्वीक्ड फ्रंट बंपर जैसे बदलाव किए गए हैं। हाल ही में इस कार को टेस्टिंग के दौरान देखा भी गया है, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। अपडेटेड मॉडल के लेवल 2 अडास तकनीक के साथ आने की उम्मीद है।

स्पाई शॉट में एसयूवी के इंटीरियर को भी दिखाई दे रहा है। उम्मीद है कि इसमें अपडेटेड अपहोल्स्ट्री, अपडेटेड एयरकॉन वेंट्स, एयर प्यूरीफायर, रियर विंडो शेड्स और फ्रंट और रियर डैश कैमरा जैसे बदलावों के साथ नया केबिन थीम मिलेगा। जीप मेरिडियन फेसलिफ्ट में 2.0-लीटर डीजल इंजन का इस्तेमाल जारी रहेगा, जो 170 एचपी की पीक पावर और 350 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करेगा।

इस इंजन को 6-स्पीड मैनुअल या 9-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।इसमें मौजूदा मॉडल की तरह ही इसमें फलोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी-फंक्शनल स्टीयरिंग व्हील, 360-डिग्री पार्किंग कैमरा, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले जैसे कई अन्य फीचर दिए गए हैं।

अय्यर ने केकेआर की खिताबी जीत के साथ ही बनाया एक नया रिकार्ड

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की जीत से इसके कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। खिताबी जीत के साथ ही श्रेयस ऐसे पहले कप्तान बन गये हैं। जो 2 विभिन्न फ्रेंचाइजियों की ओर से खेलते हुए अपनी टीम को फाइनल तक लेकर गए हैं। इससे पहले साल 2020 में श्रेयस की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम फाइनल तक पहुंची थी।

फाइनल मुकाबले में श्रेयस ने अपना कप्तानी कौशल भी दिखाया। उन्होंने गेंदबाजों को इस प्रकार बदला कि हर दूसरे ओवर में टीम को विकेट मिली। इससे हैदराबाद की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई। ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम का कोई खिलाड़ी आईपीएल फाइनल में 30 से ज्यादा रन नहीं बना सका हो। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सबसे ज्यादा 24 रन पैट कमिंस ने बनाये हैं। यही नहीं, कोलकाता के 6 गेंदबाजों ने मैच में विकेट लिए।

केकेआर की ओर से कप्तान श्रेयस बड़ी पारियां नहीं खेल पाये पर अहम अवसरों पर उन्होंने रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका दिलाई। उन्होंने 13 मैचों में 38 की औसत के साथ 351 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम पर 2 अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 145 था जबकि उन्होंने 16 छक्के लगाए हैं।

श्रेयस बतौर कप्तान आईपीएल में दो फाइनल में पहुंचने के साथ ही मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की बराबरी पर पहुंच गए हैं। हार्दिक ने साल 2022 में गुजरात टाइटंस को अपनी कप्तानी में जीत दिलायी थी जबकि 2023 सत्र में उनकी टीम फाइनल में पहुंची थी पर उसे चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। श्रेयस ने 2020 में दिल्ली की कप्तानी की पर वह फाइनल में हार गये लेकर इस बार उन्होंने कोई गलती न करते हुए जीत दर्ज की। वहां वह जीत नहीं पाए थे लेकिन इस बार 2024 सीजन में कोलकाता की कप्तानी करते हुए उन्होंने अपना पहला खिताब जीत लिया।

आईपीएल 2024 : फाइनल में हार के बाद एसआरएच की सह-मालिक काव्या मारन की आंखों से टपके आंसू

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर अपना तीसरा खिताब जीता। इस हार के बाद हैदराबाद स्थित फ्रेंचाइजी की सह-मालिक और सीईओ काव्या मारन खुद को रोक नहीं पाई और उनकी आंखों से आंसू टपकने लगे।

चेपक में खेले गए एकतरफा मुकाबले में केकेआर ने सनराइजर्स को आठ विकेट से हराकर 10 साल बाद ट्रॉफी अपने नाम की। 2012 और 2014 में खिताब जीतने के बाद यह केकेआर का तीसरा आईपीएल खिताब था। खेल के प्रति अपने प्यार और स्टैंड में मौजूद लोगों की प्रतिक्रियाओं के लिए जानी जाने वाली काव्या हार के बाद रो पड़ीं, लेकिन फिर भी उन्होंने फाइनल से पहले टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस को पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले पर पछतावा हुआ, क्योंकि उनकी टीम 18.3 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। कोलकाता के गेंदबाजों में आंद्रे रसेल सबसे सफल रहे जिन्होंने एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उनकी टीम ने 10.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें वेंकटेश अय्यर ने 26 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए।

मिचेल स्टार्क ने दिया बड़ा संकेत, एक दिवसीय क्रिकेट से ले सकते हैं संन्याय

कोलकाता (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क निकट भविष्य में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास ले सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सदस्य स्टार्क ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का खिताब जीतने के बाद कहा, 'पिछले नौ साल मैंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट को दिए हैं। जब क्रिकेट से समय मिलता था, तब मैं वह समय अपनी पत्नी और परिवार को देता था लेकिन अब मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं और फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलना चाहता हूं। वनडे विश्व कप अभी बहुत दूर है, तो मैं एक फॉर्मेट को छोड़ भी सकता हूं।' स्टार्क इससे पहले 2014 और 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के लिए खेल चुके है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को तवज्जो देते हुये उन्होने आईपीएल के पिछले कुछ संस्करणों में रुचि नहीं दिखलाई थी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने इस आईपीएल सीजन का पूरा लुत्फ उठाया। इसके बाद हमें विश्व कप खेलना है, जिसका अपना लाभ है। इस लीग में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और खिलाफ खेलने के बाद आप विश्व कप के लिए भी तैयार होते हैं। इस तरह यह विश्व कप की तैयारियों का भी एक हिस्सा है। मुझे नहीं पता कि अगले साल का क्या शेड्यूल है, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि मैं फिर से केकेआर की बैंगनी और सुनहरे ड्रेस में यह टूर्नामेंट खेलता नज़र आऊंगा।' स्टार्क को इस साल केकेआर ने 24.75 करोड़ रूपए में खरीदा था और वह आईपीएल नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे।

गौतम गंभीर से बात करते दिखे जय शाह, टीम इंडिया के हेड कोच को लेकर तेज हुई चर्चाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के हेड कोच की खोज जारी रखी हुई है। जहां केकेआर के मेंटॉर गौतम गंभीर के नाम पर चर्चाएं जारी हैं। वहीं रविवार को आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबले के बाद बीसीसीआई के सचिव जय शाह और गंभीर के बीच बातचीत हुई। जिसके बाद गंभीर को हेड कोच बनाने की अफवाहों ने तूल पकड़ लिया है।

बीसीसीआई ने 13 मई को भारतीय हेड कोच की तलाश शुरू की थी और आवेदन निकाले थे। आवेदन करने का आखिरी दिन आज यानी 27 मई को निर्धारित की गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में हाल ही में दावा किया गया कि गंभीर ने अभी तक पद के लिए आवेदन नहीं किया है और वे आखिरी दिन आवेदन कर सकते हैं।

यूगांडा टीम को कोचिंग दे रहे पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभय शर्मा

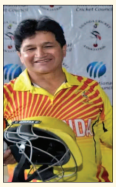

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अभय शर्मा अब यूगांडा की क्रिकेट टीम को कोचिंग दे रहे हैं। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें कोच की जिम्मेदारी मिली थी। अभय भारत ए और भारत की अंडर-19 टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहे हैं। इसके अलावा वह दिल्ली रणजी टीम के भी कोच रहे हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोचिंग समूह का भी हिस्सा रहे हैं। यूगांडा अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली आंखिरी टीम है। इसके अलावा नामीबिया ने ही अफीका क्वालीफायर से आईसीसी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभय को मुख्य कोच की जो जिम्मेदारी मिली थी उसे उन्होंने संभाल लिय हैं। यूगांडा टीम अभी विश्व कप की तैयारियों के लिए श्रीलंका में अभ्यास कर रही है। इस दौरान उसके अभ्यास मैच खेलने की भी संभावनाएं हैं।

पाक सीरीज के लिए आईपीएल से खिलाड़ियों को वापस बुलाना ईसीबी की गलती : वॉन

चेन्नई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि आईपीएल प्लेऑफ से पहले अपने खिलाड़ियों को वापस बुलकर क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गलती है। ईसीबी ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज को देखते हुए कप्तान जोस बटलर सहित अपने सभी खिलाड़ियों को वापस बुला लिया था। वॉन ने कहा कि ऐसे में खिलाड़ियों को प्लेऑफ मुकाबलों में दबाव के बीच खेलने का अनुभव नहीं मिला। आगामी टी टी20 विश्व कप में यही अनुभव खिलाड़ियों के लिए बेहतर रहता। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर , फिल साल्ट और विल जैक्स को ईसीबी ने पाकिस्तान के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए वापिस बुला लिया था। इस फैसले की महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। वॉन ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पहले है पर आजकल आईपीएल में दबाव उससे कम नहीं रहता। इन खिलाड़ियों को प्रशंसकों, मालिकों और सोशल मीडिया के जिस दबाव का सामना करना होता है, वह बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा, 'आईपीएल प्लेऑफ और दर्शकों का दबाव पाकिस्तान के खिलाफ टी20 खेलने के अनुभवी से कहीं अधिक होता। उन्होंने कहा, ' विशेष तौर पर साल्ट और जैक्स को तो बहुत कुछ सीखने को मिलता और उनकी तैयारी मजबूत होती, जिसका फायदा विश्वकप में मिलता ।

एमएस धोनी ने फिर बदला हेयरस्टाइल, अब नए लुक में आ रहे हैं नजर

मुम्बई । एमएस धोनी ने फिर से अपना लुक चेंज किया है। इसके लिए धोनी मशहूर हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम के यहां पहुंचे थे। जहां, सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट ने धोनी की तस्वीर शेयर की। साथ ही ये भी बताया कि हेयर सेशन के दौरान धोनी ने सैलून में क्या-क्या एक्टिविटीज कीं। आलिम हकीन ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि सिक्रेटली धोनी हमारे सैलून पहुंचे जो कि अपने आप में एक बड़ा सरप्राइज था। बता दें कि, आईपीएल 2024 में चेन्नई प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद चेन्नई को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। उसके बाद एमएस धोनी आईपीएल से टीम के बाहर होने के बाद अपने घर रांची पहुंचे, कुछ वक्त बिताने के बाद वह मुंबई पहुंचे थे। आलिम हकीम ने एमएस धोनी की अपने सैलून में फोटो शेयर की है। इसमें धोनी गॉगल्स पहने हुए नए लुक में नजर आ रहे हैं। आलिम ने आगे लिखा है कि हेयर-सेशन के दौरान धोनी ने कुछ विंटेज म्यूजिक प्ले की और उसका जमकर लुत्फ उठाया। इसने हमारे दिन को और शानदार बना दिया। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ दिन होते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं। इसके आगे हकीम ने लिखा कि इन तमाम चीजों के लिए आपको ढेर सारा प्यार माही सर।

आईपीएल विजेता के साथ ही उपविजेता पर भी हुई पैसे की बारिश

-हर्षल और विराट को पर्पल और ऑरेंज कैप जीतने के लिए मिले 10-10 लाख रुपये

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 की खिताब विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ ही उपविजेता -सनराइजर्स हैदराबाद भी इनामी राशि से मालामाल हो गयी है। केकेआर की टीम को आईपीएल ट्रॉफी जीतने के साथ ही 20 करोड़ का चेक भी मिला। वहीं फाइनल में हारी सनराइजर्स हैदराबाद को 12.50 करोड़ रुपये मिले।

रनर अप का चेक लेते हुए कप्तान पैट कमिंस काफी निराश थे। कमिंस की टीम ने पूरे सत्र में दमदार खेल का प्रदर्शन किया था पर फाइनल में केकेआर के सामने उनकी टीम पूरी तरह से बिखर गई। इसके अलावा शीर्ष टॉप चार में रहने वाली राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम को भी करोड़ों का इनाम मिला। राजस्थान रॉयल्स की टीम दूसरे क्वालीफायर में हार कर तीसरे स्थान पर रही थी। ऐसे में उसे 7 करोड़ का चेक मिला जबकि आरसीबी एलिमिनेटर में चौथे स्थान पर रही। आरसीबी को 6.5 करोड़ रुपये मिले।

वहीं सबसे ज्यादा 24 विकेट लेकर पर्पल कैप जीतने वाले हर्षल पटेल को 10 लाख रुपए मिले। वहीं सबसे अधिक रनों के लिए ऑरेंज कैप विजेता विराट को भी 10 लाख रुपये मिले।

इसके अलावा मोस्ट वैल्यूवल प्लेयर सुनील नरेन को भी 10 लाख रुपए मिले। इसके अलावा बेस्ट पिच क्यूरेटर और ग्राउंड स्टाफ को अवॉर्ड के साथ ही 50 लाख का चेक मिला। वहीं इसके अलावा पावर प्ले ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और गेम चेंजर ऑफ द सीजन के अवॉर्ड विजेता खिलाड़ियों को भी 10-10 लाख रुपये का इनाम मिला।

विश्व कप फुटबॉल क्वालीफिकेशन मैच में प्रशंसकों की भारी तदाद रहेगी : स्टिमक

भुवनेश्वर । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक का मानना है कि छह जून को कुवैत के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफिकेशन मैच में भारतीय तादद में दर्शक रहेंगे। कुवैत के खिलाफ इस मैच में जीत दर्ज कर भारत इतिहास में पहली बार विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचने का प्रयास करेगा। इसके अलावा स्टिमक के अनुसार दूसरा कारण ये है कि लोग करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री को अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलते हुए देखना चाहेंगे। छेत्री ने अपने करियर में अब तक भारत की ओर से सबसे अधिक 94 गोल किये है। वह अपने विदाई मैच के साथ ही अपना 151 मुकाबला खेलेंगे। इस प्रकार भारत की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड भी उनके नाम होगा। स्टिमक ने कहा, ''इस मैच के महत्व को देखते हुए जिसमें हमें पहली बार तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने के लिए एक जीत की जरुरत होगी। इसके साथ ही ये सुनील छेत्री का विदाई मैच भी रहेगा। ऐसे में हमें उम्मीद रहेगी कि सॉल्ट लेक स्टेडियम दर्शकों से भरा रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि इस खेल के प्रशंसक देशर भर से कोलकाता पहुंचेंगे और हमारे खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाएंगे।'' कोच के अनुसार टीम पिछले दो सप्ताह से इस मैच के लिए अभ्यास कर रही है और अपनी कमजोरियों को भी दूर कर रही है। इस दौरान सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं जिससे हमें अपनी जीत का भरोसा है।

दीपा करमाकर ने इतिहास रचते हुए एशियन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड, आनंद महिंद्रा ने ऐसे दिया रियक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार जिम्नास्ट दीपा करमाकर ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, उन्होंने जिम्नास्टिक में देश को एशियन सीनियर चैंपियशिप में गोल्ड मेडल दिलाया है। दीपा ये कारनामा करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। रविवार को उन्होंने वुमेन वॉल्ट में ये मेडल अपने नाम किया। दिपा करमानकर का वॉल्ट फाइनल में फाइनल के आखिरी दिन औसत 13.566 का था। ये टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में खेला गया। वहीं दीपा की सफलता पर भारतीय बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी रिएक्शन दिया है। 30 वर्षीय दीपा ने फाइनल में नॉर्थ कोरिया की किम सोन ह्यांग और जो क्योंग ब्योल को मात दी। ह्यांग का औसत स्कोर 13.466 था और ब्योल का स्कोर 12.966 का। दोनों ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 2016 रियो ओलंपिक खेलों में वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं दीपा ने इससे पहले 2015 में इसी प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हालांकि, पहली बार किसी ने गोल्ड मेडल जीता है।

भारत ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैचों के लिए 23 सदस्यीय महिला फुटबॉल टीम घोषित की

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ 31 मई और चार जून को ताशकंद में खेले जाने वाले दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए सोमवार को 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की। टीम की 30 संभावित खिलाड़ियों ने हैदराबाद में श्रीनिधि डेक्कन एफसी के घरेलू मैदान पर दो सप्ताह तक प्रशिक्षण लिया जिसके बाद मुख्य कोच एल चाओबा देवी ने 23 सदस्यीय टीम का चयन किया। भारतीय दल बुधवार को ताशकंद रवाना होगा।भारत ने इस साल की शुरुआत में चार देशों के 'तर्किश विमेंस कप' में हिस्सा लिया था। टीम इसमें कोसोवो के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। इस टूर्नामेंट में एस्टोनिया और हांगकांग भी टीमें भी शामिल थी।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम

गोलकीपर- श्रेया हुडा, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, एम मोनालिसा देवी। डिफेंडर- एल आशालता देवी, संजू, हेमम शिल्की देवी, जूली किशन, अस्तम ओरांव, अरुणा बैग, सोरोखैबम रंजना चानू, वांगखेम लिन्थोइंगंबी देवी। मिडफील्डर- कार्तिका अंगमुथु, कविया, नाओरेम प्रियंगका देवी, नेहा, संध्या रंगनाथन, संगीता बासफोर, सौम्या गुगुलोथ, अंजू तमांग। फॉरवर्ड- काजोल डिसूजा, करिश्मा शिरवोइकर, प्यारी खाखा, सेर्टो लिंडा कॉम।

पीवी सिंधु की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ियों से सिंगापुर ओपन में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार यानी 28 मई से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन 2024 में पीवी सिंधू, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन करके पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की कोशिश करेंगे। इस ओपन में विजेता को 850,000 डॉलर (लगभग सात करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि मिलेगी।

पेरिस ओलंपिक में दो महीने ही बचे हैं और चार वर्षों में होने वाले इन खेलों में भाग लेने से पहले खिलाड़ियों को खुद के खेल में सुधार करने के लिए सिंगापुर ओपन 750 के अलावा ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500, इंडोनेशिया सुपर 1000, कनाडा ओपन सुपर 500 में भाग लेने का मौका मिलेगा। थाईलैंड ओपन में हाल ही में चैंपियन बनी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ओलंपिक के लिए बेहतरीन लय में दिख रही हैं, जबकि सिंधू ने भी रविवार को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहने के बाद अपना दावा मजबूत किया है।

लक्ष्य और प्रणय पिछले कुछ समय से चली आ रही खराब लय को पीछे छोड़ पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। मलेशिया मार्स्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ निर्णायक गेम में 11-3 की बढ़त को गंवाने वाली सिंधू यहां डेनमार्क की लीन होजमार्क कजेर्सफेल्ट के खिलाफ सकारात्मक शुरुआत करना चहेंगी। मलेशिया में सिंधू का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला लगभग 80-80 मिनटों तक चला था जिससे उनके लिए थकान से उबरना भी जरूरी होगा।

वह अगर शुरुआती दौर की बाधा को पार करने में सफल रही तो दूसरे दौर में उनके सामने रियो ओलंपिक चैम्पियन स्पेन की कैरोलिना मारिन की चुनौती हो सकती है। पुरुष युगल में विश्व में नंबर एक सात्विक और चिराग के सामने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड की चुनौती होगी। लक्ष्य ने फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लगातार दो सेमीफाइनल में जगह बनाकर ओलंपिक क्वालीफिकेशन में प्रवेश किया था। यह युवा खिलाड़ी ब्रेक के बाद आ रहा है और पुरुष एकल में उसका सामना दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से होगा।

एक्सेलसेन का हौसला रविवार को मलेशिया मास्टर्स चैम्पियन बनने के बाद काफी बढ़ा हुआ होगा। स्वास्थ्य समस्याओं से उबर रहे आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को थाईलैंड ओपन के शुरुआती दौर में हमवतन मेइराबा लुवांग मैसनाम ने बाहर का रास्ता दिखाया था। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को सिंगापुर ओपन में बेल्जियम के जूलियन कैरागी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है।

अन्य भारतीयों में किदांबी श्रीकांत जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका से भिड़ेंगे जबकि प्रियांशु राजावत पुरुष एकल में हांगकांग के ली चेउक यियू के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे। महिला एकल में आकर्षी कश्यप का सामना पहले दौर में थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइकेवोंग से होगा। ओलंपिक टिकट पक्का कर चुकी अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी महिला युगल में अपने पहले मैच में यूक्रेन की पोलीना बुहरोवा और येवेनिया कांतिमिर से भिड़ेंगी। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला जोड़ी का पहले दौर में मुकाबला चीनी ताइपे की चेंग यू-पेई और सुन यू-ह्सिंग की जोड़ी से होगा।

अडाजण बस डिपो, सूरत और सूरत एसटी में जिला पंचायत स्वास्थ्य शाखा विभाग द्वारा तम्बाकू नियंत्रण एवं निर्जलीकरण जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये गये

सूरत। सूरत के अडाजण बस डिपो में जिला पंचायत स्वास्थ्य शाखा और सूरत एसटी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से तंबाकू नियंत्रण और डी-हाइड्रेशन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अडाजण डिपो में कार्यरत टी.आई. श्री राजेंद्रभाई सुरती के स्व. सुपुत्रा जिगर उर्फ जिम्मी की स्मृति में यात्रियों को ठंडा छाछ वितरित किया गया। इस मौके पर डिपो के कर्मचारियों के साथ ही चालक, परिचालक, मैकेनिक स्टाफ के साथ ही मंडल कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और यात्री मौजूद रहे।

रक्षक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक रविवार को सूरत में भोजन प्रसाद सेवा शिविर का आयोजन किया जाता है

सूरत।

रक्षक ग्रुप ऑफ रक्षक चैरिटेबल ट्रस्ट प्रत्येक रविवार को सूरत के अणुव्रत द्वार के पास साइकिल सर्कल पर भू प्रसाद सेवा शिविर का आयोजन करता है। जिसमें रक्षक ग्रुप द्वारा पैदल चलने वालों के लिए सोयाबीन का स्वादिष्ट भोजन, शुद्ध एवं ठंडी छाछ की व्यवस्था रखी गई, साथ ही रक्षक ग्रुप के संगठन महासचिव जयेशभाई जोशी ने बताया कि रक्षक ग्रुप 2015 से संचालित हो रहा है।

सेवा कार्य रक्षक ग्रुप के स्वयंसेवक आगे रहकर सेवा का भार उठाने में अग्रणी हैं और सेवा कार्यों के माध्यम से अपने खाली समय का सदुपयोग कर जरूरतमंद लोगों की सेवा के कार्य कर रहे हैं।

साथ ही रक्षक ग्रुप के मीडिया प्रभारी मितेशभाई पांचाल ने कहा कि जाति-पाति के भेदभाव के बिना सेवा करने वाला रक्षक ग्रुप हर जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा में अग्रणी रहता है और बिना भेदभाव के अनेकता में एकता पैदा करने के उद्देश्य से सेवा की जा रही है।

आगे ट्रस्ट के अध्यक्ष गौरवभाई पटेल का कहना है कि 2015 से संचालित रक्षक ग्रुप की सेवाएं निरंतर जारी हैं और ट्रस्ट नवीन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की भलाई करने का प्रयास कर रहा है, जिसमें आगे भी कहा, वे अपने खाली समय में सभी की सेवा कर रहे हैं। न्यासी मंडल ने सभी से इस काम में शामिल होने की अपील की।

वित्त वर्ष 2024 में आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो 99.17%

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने वित्त वर्ष 2024 में 99.17% का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो हासिल किया है, जो कि इंडस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ रेश्यो में से एक है। वैध मृत्यु दावे का निपटान करने के लिए कंपनी के पास केवल 1.27 दिन का औसत समय था, और 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में मृत्यु दावों के लिए कंपनी कुल 1,867 करोड़ रुपये का भुगतान करने में सफल रही।

श्री अमीश बैंकर, चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर, ने कहा, "जीवन बीमा परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में सहायता करता है। इसलिए हम चाहते हैं कि सभी वास्तविक दावों का जल्द से जल्द निपटान हो। वित्त वर्ष 2024 में, हमने 99.17% का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो हासिल किया, जो कि इंडस्ट्री में सबसे अधिक है। सभी दस्तावेज़ प्राप्त करने के बाद, हमें बिना जाँच के रिटेल दावों के लिए मृत्यु दावे के निपटान में केवल 1.27 दिन का औसत समय लगा। विशेष रूप से, विगत दस वर्षों में, कंपनी ने मृत्यु दावों के लिए कुल 12,112 करोड़ रुपए का भुगतान किया है, जो लाखों परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।"

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो 97.94% था, वहीं दूसरी तिमाही के लिए यह 98.14% और तीसरी तिमाही के लिए यह 98.52% था। यह दर्शाता है कि सभी तिमाहियों में कंपनी के दावा निपटान में निरंतरता जारी है।

दावेदारों या नामांकित व्यक्तियों को सुविधा प्रदान करने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ डिजिटल माध्यमों की पेशकश करता है, जिसमें व्हाट्सएप और कंपनी की मोबाइल ऐप शामिल है। इसकी सहायता से उपर्युक्त व्यक्ति बिना किसी परेशानी के दावा दायर कर सकते हैं और साथ ही उसे ट्रैक भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी दावे से संबंधित दस्तावेज़ों को घर से प्राप्त करने की सुविधा भी प्रदान करती है।

उन्होंने आगे कहा, "कंपनी की 'क्लेम फॉर श्योर' पहल सुनिश्चित करती है कि सभी दस्तावेज़ प्राप्त होने के बाद महज़ एक दिन में वैध मृत्यु दावों का निपटान किया जाएगा। इस पहल के तहत कंपनी, वित्त वर्ष 2024 के दौरान एक दिन में 4,000 से अधिक दावों का निपटान कर चुकी है।

बला के खूबसूरत भूतों वाली 'अरनमनई 4' अब हिंदी में भी

तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की तमिल हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'अरनमनई 4' जब से बड़े पर्दे पर रिलीज़ हुई है, तब से ही तहलका मचा रही है। दर्शकों से यह फिल्म खूब प्रशंसा बटोर रही है। बावेजा स्टूडियोज़ और कार्मिक फिल्म्स ने ब्लॉकबस्टर हिट 'अरनमनई 4' की हिंदी डब रिलीज़ की घोषणा की है, जो 31 मई, 2024 से आपके नज़दीकी सिनेमाघरों में उपलब्ध होगी।

इस फिल्म की कहानी खतरनाक भूत बाक पर आधारित है, जो पूर्वी भारतीय लोककथाओं की समृद्ध परंपरा का बखान करती है। फिल्म में एक पारिवारिक परिवेश में अच्छी और बुरी ताकतों को एक विशेष उद्देश्य के चलते लड़ते हुए दिखाया जाएगा। तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना ने फिल्म में अपनी अदाओं का बेमिसाल जादू बिखेरा है।

'अरनमनई 4' फ्रेंचाइजी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई है। फिल्म को देश के ही नहीं, बल्कि विदेशी दर्शकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बम्पर बिजनेस का चौला ओढ़े 'अरनमनई 4' फिल्म अब तक दुनिया भर में 85.20 करोड़ रुपए से भी अधिक की कमाई कर चुकी है। और उम्मीद है कि यह कुछ ही दिनों में 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

'अरनमनई 4' का निर्देशन सुंदर सी ने किया है और इसके तमिल संस्करण को 3 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था। फिल्म साजिद कुरैशी, सुशील लावानी, खुशबू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार द्वारा निर्मित है। इसमें तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना के अलावा सुंदर सी, योगी बाबू, संतोष प्रताप, रामचंद्र राजू, केएस रविकुमार, जयप्रकाश और अन्य सितारों ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

'अरनमनई 4', 31 मई, 2024 से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में उपलब्ध होगी।

बावेजा स्टूडियोज़ और कार्मिक फिल्म्स के बारे में:

बावेजा स्टूडियोज़ एक जाना-माना फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जिसने अद्वितीय और शक्तिशाली कहानियों को सिल्वर स्क्रीन पर उतारने के लिए कार्मिक फिल्म्स के साथ साझेदारी की है।

ईज़मायट्रिप ने दर्ज किया अब तक का सबसे उच्च एबिटा

भारत के मशहूर ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफार्म्स में से एक, EaseMyTrip.com ने इस तिमाही के दौरान अपनी वृद्धि को बरकरार रखा है। वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में कंपनी का परिचालन से रेवेन्यूम 1,640 मिलियन दर्ज किया गया। इसमें सालाना आधार पर 41त्न की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस अवधि में कंपनी का एबिटा 24% की वार्षिक बढ़त के साथ 577 मिलियन रुपए रहा। इसी तरह, कंपनी का कर पूर्व लाभ सालाना आधार पर 24% की बढ़त के साथ 551 मिलियन रुपए पहुंच गया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024 में कंपनी की बुकिंग से होने वाली कुल आय (GBR) 20,900 मिलियन रुपये रही है।

वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में कंपनी के गैर-एयर सेगमेंट में मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है। इस अवधि में कुल होटल नाइट बुकिंग 1.4 लाख रही। इसमें 39% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं, अन्य बुकिंग 53% बढ़कर 2.7 लाख पर पहुंच गई। पूरे वित्त वर्ष 2024 की बात करें तो होटल नाइट बुकिंग और अन्य बुकिंग क्रमश: 49% बढ़कर 5.2 लाख और 67% बढ़कर 10.4 लाख पर पहुंच गई।

पूरे वित्त वर्ष 2024 के प्रदर्शन की बात करें तो इस अवधि में कंपनी का परिचालन से रेवेन्यूर 5,906 मिलियन रुपये रहा। इसमें सालाना आधारपर 32% की बढ़त हुई है। इसी तरह एबिटा 2282 मिलियन रुपये रही है। इसमें सालाना आधार पर 19% की बढ़त देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का कर पूर्व लाभ सालाना आधार पर 16त्न की बढ़त के साथ 2,151 मिलियन रुपये रहा। यह मजबूत प्रदर्शन ईज़मायट्रिप में लगातार हो रही वृद्धि को स्पष्ट करता है। इस मजबूत प्रदर्शन के चलते इंडस्ट्री में कुछ मुनाफे में चल रही नए जमाने की टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक के रूप में कंपनी स्थिति को और मजबूत करता है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 85,126 मिलियन रुपये का जीबीआर दर्ज किया, जिससे इसकी बाजार स्थिति और मजबूत हुई है।

इस तिमाही और वित्त वर्ष 2024 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन करने के अलावा, ईज़मायट्रिप ने खुद को तेजी से बढ़ती कंपनी के रूप में स्थापित करने के लिए कई बड़े सहयोग किए हैं। भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कंपनी ने जीवनी हॉस्पिटैलिटी में 50% हिस्सेदारी हासिल कर ली है और अयोध्या शहर में 150 कमरों वाला रैडिसन ब्लू होटल विकसित करने के लिए रैडिसन होटल समूह के साथ साझेदारी की है। इस रणनीतिक कारोबारी कदम के तहत हाल ही में स्थापित राम मंदिर के पास ये होटल बनाया जाएगा। जिससे अयोध्या में प्रति दिन आने वाले 1.5 लाख आगंतुकों तक कंपनी की पहुंच हो जाएगी।

इस तिमाही में, ईज़मायट्रिप ने 7.9 ट्रिलियन रुपये (7.9 लाख करोड़ रुपए) के बीमा बाजार में अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए अपनी नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ईज़मायट्रिप इंश्योरेंस ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड भी लॉन्च की है।

ईज़मायट्रिप ने सरकार के साथ भी अपने सहयोग को बढ़ाया है और साझा लक्ष्यों को मिलकर हासिल करने के लिए एक मजबूत गठबंधन की स्थापना की। कंपनी सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड की पहली ट्रैवल पार्टनर बन गई है जो 8 लाख ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLE) को उड़ान, होटल, बस, कैब, अवकाश और एक्टिविटी सहित तमाम यात्रा सेवाएं प्रदान करता है। CSC से जुड़े ये समर्पित VLE (विलेज लेवल एंटरप्रेन्यो रर्स) नागरिकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसमें यात्रा सेवाएं प्रमुख पेशकशों में से एक हैं। इसके अलावा, इसने लखपति दीदी योजना के तहत कौशल विकास के जरिए महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ साझेदारी की है। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

रेंज रोवर अब बनी मेड इन इंडिया: रेंज रोवर हाउस में पेश की जाएगी क्युरेटेड लक्ज़री

रेंज रोवर हाउस अपने एक्सक्लुज़िव, आधुनिक लक्ज़री अनुभव के साथ भारत पहुंच गया है, जिसे क्षेत्र में उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। रेंज रोवर हाउस इंडिया, ने शानदार तटीय शहर अलीबाग में अपनी शुरूआत की है, जहां कुछ पहले रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट्स वाहनों को डिस्प्ले किया गया है, जिन्हें अब एक्सक्लुज़िव रूप से भारतीय बाज़ार के लिए भारत में बनाया जाएगा।

भारत में रेंज रोवर के लक्ज़री बड़े एसयूवी वाहनों, भव्य रेंज रोवर और डायनामिक, आधुनिक परफोर्मेन्स के एसयूवी, रेंज रोवर स्पोर्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए, इन्हें पहली बार भारत के पुणे में स्थानीय रूप से बनाया जाएगा। इस कदम के साथ भारतीय क्लाइंट्स को रेंज रोवर के पिनाकल वाहनों के लिए कम इंतज़ार करना पड़ेगा और उपभोक्ताओं को आधुनिक लक्ज़री अनुभव प्रदान करने के लिए जेएलआर की क्षमता का विस्तार किया जाएगा।

भारत पहला ऐसा देश होगा जो रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का स्थानीय निर्माण शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत रेंज रोवर वेलर, रेंज रोवर इवोके, जैग्वार एफ-पेस और डिस्कवरी स्पोर्ट्स शामिल हैं, जिन्हें पहली से पुणे स्थित जेएलआर की युनिट में स्थानीय रूप से निर्मित किया जा रहा है।

भारतीय बाज़ार के लिए यह अतिरिक्त उत्पादन, रेंज रोवर के विश्वस्तरीय उत्पादन का पूरक होगा, जो सोलिहुल, युके में किया जाता है और 1970 से रेंज रोवर का मैनुफैक्चरिंग होम रहा है। सोलिहुल भी आगामी फुली-इलेक्ट्रिक मॉडल और पिनाकल 'एसवी' वाहनों के लिए होम बना रहेगा।

लेनार्ड हूरनिक, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, जेएलआर ने कहा, "पिछले कुछ सालों के दौरान भारत में लगातार आर्थिक विकास हुआ है और आने वाले समय में भी देश में इसी तरह प्रगति जारी रहने की उम्मीद है। इसी विकास के परिणामस्वरूप भारतीय क्लाइंट्स के लिए स्थानीय उत्पादन के अवसर उत्पन्न हुए हैं। भारत में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का स्थानीय निर्माण, देश में सबसे पसंदीदा आधुनिक लक्ज़री एसयूवी फैमिली के रूप में ब्राण्ड की स्थिति को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

'अब क्लाइंट्स के लिए रेंज का रोवर का निर्माण भारत में स्थानीय रूप से (मेड इन इंडिया) किया जाएगा, वहीं इसका शानदार ब्रिटिश डिज़ाइन अपनी खासियत को बरकरार रखेगा और इसके लुक एवं तकनीकी आधुनिकता को नया अयाम देता रहेगा, जो रेंज रोवर ब्राण्ड का पर्याय है।'

जेराल्डाईन इंघम, मैनेजिंग डायरेक्टर, रेंज रोवर ने कहा, "हमारे 53 सालों के इतिहास में दुनिया भर में, सर्वोच्च स्तर के क्लाइंट्स में रेंज रोवर की मांग लगातार बढ़ी है। यह सफलता की अभूतपूर्वक कहानी है और भारत इसका महत्वपूर्ण भाग है। सिर्फ वित्तीय वर्ष 24 में भारत में रीटेल सेल्स में 160 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में रेंज रोवर का स्थानीय निर्माण इस बढ़ती मांग को पूरा करने में योगदान देगा।"

राजन अम्बा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएलआर इंडिया ने कहा, "यह भारत में हम सभी के लिए गर्व का समय है, क्योंकि हम आइकोनिक रेंज रोवर का स्थानीय निर्माण करने वाला पहला देश बन गए हैं। यह कदम गुणवत्ता के उन मानकों की पुष्टि करता है, जिन्हें हमने भारत में स्थानीय निर्माण में सफलतापूर्वक हासिल किया है, जो विश्वस्तर पर जेएलआर के मानकों के समकक्ष है। रेंज रोवर का स्थानीय निर्माण दोनों सर्वश्रेष्ठ दुनियाओं को एक साथ लेकर आएगा, जहां शानदार ब्रिटिश डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी और परिशोधन के साथ अब 'भारत में निर्मित' लक्ज़री वाहनों का संयोजन पेश किया जाएगा।'

रेंज रोवर: लुभावनी आधुनिकता, अद्वितीय परिष्कार और बेजोड़क्षमता

रेंज रोवर: सबसे लोकप्रिय लक्ज़री एसयूवी, जो उत्कृष्ट क्षमता के साथ आराम और तालमेल का संयोजन है।

मॉडल्स और पावरट्रेन: स्थानीय रूप से निर्मित रेंज रोवर 3.0 लीटर पेट्रोल ऑटोबायोग्राफी (293 kW पावर और 550 Nm टोर्क) तथा 3.0 लीटर डीज़ल एचएसई (258 kW पावर और 700 Nm टोर्क) में उपलब्ध होगी।

डिलीवरी की शुरूआत: स्थानीय रूप से निर्मित रेंज रोवर की डिलीवरी 24 मई से शुरू की जाएगी।

कीमत: रेंज रोवर 3.0 लीटर डीज़ल एचएसई एलडब्ल्यूबी की कीमत रु 236 लाख और रेंज रोवर 3.0 एल पेट्रोल ऑटोबायोग्राफी एलडब्ल्यूबी की कीमत रु 260 लाख एक्स-शोरूम है।

श्री वीर सावरकर की फिल्म ज़ी 5 पर रिलीज होगी और श्री श्यामजी कृष्ण वर्मा जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि

वर्मा का किरदार निभाने वाले अहमदाबाद के जय पटेल ने फिल्म में अपने किरदार और रणदीप हुडा के निर्देशन के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। जय पटेल मूल रूप से एक उद्यमी हैं और उन्होंने वीर सावरकर में एक अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत की। फिल्म की सक्सेस पार्टी अमेरिका में होने वाली है. फिल्म में अपने अनुभवों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, च्गुजराती मूल का होने और श्यामजी कृष्ण वर्मा के बारे में जानने के कारण रणदीप हुडा ने मुझसे श्यामजी कृष्ण वर्मा का किरदार निभाने के लिए कहा। इस फिल्म के लिए उन्होंने 4 महीने में 8 किलो वजन भी बढ़ाया। जबकि इसे कम करने में भी मुझे 4 महीने लग गए. यहां तक कि फिल्म की स्क्रिप्ट के लिए भी डेढ़ साल तक का समय लगा

अतिरिक्त समय लिया गया और फिल्म की स्क्रिप्ट इस तरह लिखी गई है कि हर किरदार को उचित न्याय मिले। फिल्म की रिलीज के बाद कई लोगों ने कहा कि फिल्म में प्रोपेगेंडा पेश करने के लिए इतिहास से छेड़छाड़ की गई है. मैं ऐसे लोगों को बताना चाहता हूं कि फिल्म में दिखाए गए हर सीन को पूरी रिसर्च के बाद पेश किया गया है, इसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है।ज हमें अपना इतिहास कभी नहीं भूलना चाहिए, जो देश अपना इतिहास भूल जाता है उसका शीघ्र ही पतन हो जाता है। इस फिल्म के निर्देशन में रणदीप को हॉलीवुड फिल्म च्अट्रैक्शनज में काम करना काफी पसंद आया। इसलिए उन्होंने सावरकर की फिल्म में भी उस तरह का निर्देशन करने की कोशिश की.ज

स्वातंर्त्य वीर सावरकर ने फिल्म से निर्देशक के रूप में अपनी शुरुआत की और मुख्य वीर सावरकर की भूमिका बहुत अच्छी तरह से निभाई। फिल्म में एक और खास किरदार श्यामजी कृष्णव का है, जिसके लिए मूल रूप से अहमदाबाद के रहने वाले जय पटेल को इस किरदार के लिए चुना गया था। जय पटेल, जिन्होंने हाल ही में उद्यमी से अभिनेता बनने का सफर तय किया है, ने सिटीलाइक से फिल्म पर अपने अनुभवों, रणदीप हुडा के साथ काम करने और ऐतिहासिक फिल्मों के बारे में आज की पीढ़ी के दृष्टिकोण के बारे में बात की। इस बारे में बात करते हुए जय पटेल ने कहा कि आज की पीढ़ी की किताबों से रुचि कम हो गई है, जबकि हमें उन्हें फिल्मों के जरिए इतिहास के बारे में बताने की जरूरत है. इसी उद्देश्य से रणदीप हुडा ने यह फिल्म बनाई थी और मैं न्यूयॉर्क में था और मुझे रात को रणदीप का फोन आया कि श्यामजी कृष्णव में एक गुजराती किरदार है, आप उसके बारे में क्या जानते हैं और वह फोन कॉल तीन घंटे तक चली।

फिल्म में श्यामजी कृष्णवर्मा की भूमिका के लिए डेढ़ महीने की कड़ी मेहनत के बाद मेरा वजन बढ़ गया और रणदीप ने 19 किलो वजन कम किया। इस फिल्म में एक्टिंग से लेकर डायलॉग डिलिवरी, रिसर्च वर्क तक सब कुछ रणदीप ने सिखाया और वह अपने काम के प्रति इतने समर्पित हैं कि उन्होंने वजन कम करने के लिए उपवास किया और शूटिंग के दौरान वह सेट पर दो बार बेहोश हो गए लेकिन जब उनकी आंखें खुलीं तो उन्होंने फिर से काम करना शुरू कर दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)